संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 319
पृष्ठ 8
गुरुवार
08 अगस्त 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- १६ साल से कम उम्र के ..

विचार- शेख हसीना का इस्तीफा

खेल- भारत को बड़ा झटका, विनेश फोगाट..

विपक्ष के दोहरे रवैये की खोलें पोल : योगी

- उपचुनाव को लेकर पदाधिकारियों संग की मीटिंग
- सीएम ने बूथ जीतो, चुनाव जीतो का दिया मंत्र

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बीजेपी के चुनाव प्रभारियों, पार्टी पदाधिकारियों के साथ सर्किट हाउस में समीक्षा की। चुनाव को लेकर उन्होंने बूथ प्रबंधन पर विशेष जोर दिया।बूथ प्रबंधन को लेकर पदाधिकारियों को जानकारी दी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने शहर घर तिरंगा 13 से 15 अगस्त अभियान को लेकर पदाधिकारियों को प्रत्येक परिवार से सम्पर्क स्थापित करने के लिए निर्देशित किया।मुख्यमंत्री योगी बोले कि सरकार हर वर्ग के लिए विकास योजनाएं चला रही हैं। इसका लाभ भी आमजन को मिल रहा है। हमारे कार्यकर्ता हर हाल में आमजन से जुड़कर विकास के मुद्दे लोगों तक पहुंचाएं। विपक्ष की गुमराह करने की राजनीति का जवाब दें। पदाधिकारियों को सक्रिय रहना होगा। लोकसभा चुनाव में विपक्षियों ने जनता से छलावा किया है। संविधान की रक्षा भाजपा सरकारों के समय ही की गई। कांग्रेस के समय में अनेक चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया गया। सीएम ने कहा कि विपक्षियों के दोहरे रवैये की पोल जनता के सामने खोंले। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बूथ जीतो चुनाव जीतो' अभियान को गति देने के लिए सहभागिता के लिए भी कहा। बूथ समितियों को सक्रिय करने के साथ लाभार्थियों से लगातार संपर्क स्थापित करते रहने का निर्देश दिया। चुनाव को लेकर उन्होंने बूथ प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। बूथ प्रबंधन के विभिन्न विषयों पर उन्होंने विस्तार से पदाधिकारियों को जानकारी दी।बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सतीश चंद्र शर्मा, गिरीश चंद्र यादव, मयंकेश्वर शरण सिंह, भाजपा के जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, भाजपा जिला महामंत्री राघवेन्द्र पाण्डेय, मंडल प्रभारी अवधेश पाण्डेय बादल, ओम प्रकाश सिंह, कमलाशंकर पाण्डेय, अभिषेक मिश्रा, कृष्ण कुमार पाण्डेय खुन्नू सहित पांचों मंडलों के अध्यक्ष, प्रभारी, मोर्चों के जिला व महानगर अध्यक्ष सहित प्रमुख पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

विनेश फोगाट मामले में एक्शन में पीएम मोदी

आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से की बात, खेल मंत्री संसद में देंगे बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के स्वर्ण पदक जीतने की संभावनाओं को बड़ा झटका देते हुए विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा कुश्ती फाइनल से अयोग्य घोषित कर दिया गया। 29 वर्षीया को दूसरे दिन प्रतिस्पर्धा के लिए अयोग्य पाया गया क्योंकि फाइनल के दिन वजन के दौरान उनका वजन 150 ग्राम अधिक पाया गया। यह खबर भारत के लिए बड़ा झटका है। इन सब के बीच सूत्रों ने दावा किया कि पीएम नरेंद्र मोदी ने आईओए अध्यक्ष पीटी उषा से बात की और उनसे इस मुद्दे पर भारत के पास मौजूद विकल्पों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी मांगी। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि पीएम ने उनसे विनेश के मामले में मदद के लिए सभी विकल्पों का पता लगाने के लिए कहा। उन्होंने पीटी उषा से यह भी आग्रह किया कि अगर इससे विनेश को मदद मिलती है तो वह अपनी अयोग्यता के संबंध में कड़ा विरोध दर्ज कराएं। वहीं, विपक्षी सांसदों ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक 2024 से अयोग्य घोषित करने का मुद्दा लोकसभा में उठाया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि केंद्रीय खेल मंत्री आज दोपहर 3 बजे इस मामले पर बयान देंगे। अब पूरे मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट किया है।

6 साल बाद दोबारा रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्म ''लैला मजनू'' श्रीनगर में चल रही हाउसफुल

श्रीनगर, एजेंसी। कश्मीर में कुछ समय पहले तक सिनेमाघर नहीं होते थे लेकिन माहौल बदला तो सिनेमाघर भी खुले और उनमें शो भी हाउसफुल जाने लगे। हम आपको बता दें कि इस समय श्रीनगर में तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की 2018 की रोमांस फिल्म 'लैला मजनू' खूब पसंद की जा रही है। साजिद अली द्वारा निर्देशित और इम्तियाज अली द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म का प्रीमियर 7 सितंबर 2018 को हुआ था। हालाँकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर व्यावसायिक रूप से असफल रही थी। 'लैला मजनू' ने बाद में डिजिटल रिलीज़ के बाद आलोचकों की प्रशंसा और लोकप्रियता हासिल की। आईनॉक्स मल्टीप्लेक्स श्रीनगर में जब इस फिल्म का प्रदर्शन हुआ तो सिनेमाघर खचाखच भरा नजर आया। निर्देशक साजिद अली ने प्रभासाक्षी से बात करते हुए कहा, छह साल बाद, फिल्म आखिरकार घर आ गई है। हालांकि यह कश्मीर में बनाई गई थी, लेकिन शुरुआत में इसे यहां रिलीज नहीं किया गया था। हालांकि, अब मुझे खुशी है कि यहां एक थिएटर है जहां लोग फिल्में देख सकते हैं। मुझे यहां जो प्यार और सराहना मिली है, मैं कश्मीर के लोगों का बहुत आभारी हूं। श्रीनगर में दोबारा रिलीज होने पर दर्शकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया के बारे में बात करते हुए, फिल्म के मुख्य अभिनेता अविनाश तिवारी ने कहा, थरिलीज के बाद पहली बार, आज हमारी फिल्म लैला मजनू श्रीनगर में हाउसफुल रही। उन्होंने कहा कि कश्मीरी लोगों ने प्यार और समर्थन दिया जिसके लिए हम उनके आभारी हैं।

राहुल गांधी ने लोकसभा में उठाया वायनाड भूस्खलन का मुद्दा

केंद्र से राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में एक संबोधन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से वायनाड में विनाशकारी भूस्खलन के पीड़ितों के लिए मुआवजा बढ़ाने का आह्वान किया। गांधी ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले अपनी बहन के साथ वायनाड का दौरा किया और इस त्रासदी से उत्पन्न दर्द और पीड़ा को प्रत्यक्ष रूप से देखा। 200 से अधिक लोगों की जान चली गई है और कई अभी भी लापता हैं। आपदा के पैमाने पर जोर देते हुए, गांधी ने केंद्र सरकार से वायनाड के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज लागू करने का आग्रह किया, जिसमें आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे और सामुदायिक सहायता पर ध्यान केंद्रित किया जाए। राहुल गांधी ने वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की भी मांग की। उन्होंने अपने बयान में कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। मैं केंद्र सरकार से वायनाड के लिए एक व्यापक पुनर्वास पैकेज का समर्थन करने का आग्रह करूंगा जिसमें आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे का निर्माण और समुदायों की मदद करना शामिल है। मैं सरकार से वायनाड भूस्खलन को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का भी आग्रह करना चाहूंगा। इसके अलावा, राहुल गांधी ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, नौसेना, तटरक्षक बल, अग्निशमन विभाग और कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ–साथ केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों की सराहना की। इससे पहले, वरिष्ठ कांग्रेस नेता एके एंटनी ने गांधी की भावनाओं को दोहराया। मुख्यमंत्री राहत कोष में 50,000 रुपये का योगदान देने के बाद, एके एंटनी ने केंद्र सरकार से भूस्खलन से प्रभावित लोगों को पर्याप्त वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता देने का आग्रह किया।

हथकरघा उद्योग को फैशन डिजाइनिंग से जोडने की जरुरत : धनखड़

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हथकरघा उद्योग को फैशन डिजाइनिंग से जोड़ने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा है कि आर्थिक राष्ट्रवाद देश के आर्थिक विकास का मूल आधार है। श्री धनखड़ ने बुधवार को यहां 10वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हथकरघा उत्पाद प्रधानमंत्री की ''बी वोकल फॉर लोकल ''पहल का एक मुख्य घटक हैं।

अखिलेश बोले, विनेश फोगाट अयोग्य घोषित की गई इसकी गहरी जांच हो

लखनऊ, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने की 'गहरी जांच–पड़ताल' कराए जाने की मांग की है। अखिलेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, श्श्विनेश फोगाट के फाइनल में न खेल पाने के तकनीकी कारणों की गहरी जांच–पड़ताल हो और सुनिश्चित किया जाए कि सच्चाई क्या है और इसके पीछे की असली वजह क्या है। उन्होंने कहा कि यह एक स्तब्ध कर देने वाले घटनाक्रम में विनेश को महिलाओं की 50 किलो कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से पहले वजन अधिक पाए जाने के कारण बुधवार को ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने ओलंपिक के फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनकर इतिहास रचा था। उन्हें बुधवार देर रात स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलना था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनेश को हौसला देते हुए कहा कि वह भारत का गौरव हैं और उन्हें मजबूती से वापसी करनी है।

सावन आया रिमझिम लाया, तुम भी आ जाओ साजन।
रीत मिलन की कहती है, ये प्रीत हुई अपनी पावन।

सखियां पींगे बढ़ाती हैं,अब पड़े बाग में झूले रे।
मनवा तुमको याद करे, तुम काहे हमको भूले रे ।
आओ साथ में झूले हम तुम,साथी तुम्हीं हो मनभावन।
सावन आया रिमझिम लाया,तुम भी आ जाओ
साजन।।

तन अंगारे सुलगते हैं, यह बिरहा तन को जलाता है ।
श्रृंगार करूं मै कैसे ये जब, प्रेम त्यौहार बुलाता है।
नेह की बूंदे बरसाओ अब,सूख रहा मन का आंगन।
सावन आया रिमझिम लाया,तुम भी आ जाओ
साजन।।

सखियां हंसती हैं खिलखिल,करती हैं बतियां घुल
मिलकर।
खुद को कैसे समझाऊं मैं उनकी प्रेम पगी बतियां
सुनकर।
प्राण पपीहा रोता है ,जब कंगना करता है खनखन।
सावन आया रिमझिम लाया तुम भी आ जाओ
साजन।।

घिर के घटा जब आती है,धरती की प्यास बुझा जाती।
मन की प्यास नहीं बुझती,घटा और अगन लगा जाती।
कौन सा होगा वो सावन,जब भीगेगा अपना तन मन।
सावन आया रिमझिम लाया तुम भी आ जाओ
साजन।।

प्रो पूनम चौहान

देश में असमानता बढ़ी है, मध्यम वर्ग को कोई राहत नहीं : दिग्विजय सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार के कार्यालय में अब तक पेश सभी 11 बजटों में संविधान की भावना का उल्लंघन किया गया है क्योंकि इस दौरान देश में सभी वर्गों विशेषकर गरीबों की बात सुनी जायेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यालय में अब तक 11 बजटों से संविधान का उल्लंघन हुआ है क्योंकि देश में असमानता बढ़ी है। कुछ लोगों के पास देश की 40 प्रतिशत सपंत्ति है और मात्र एक प्रतिशत लोगों के पास 22 प्रतिशत संपत्ति है। उन्होंने कहा कि देश के संसाधन पर पहला हक सबसे उपेक्षित और संसाधन विहीन लोगों का होता है जबकि यहां इसके उल्ट है। सरकार कहती है देश में 24 करोड़ से अधिक लोगों के गरीबी से निकालने की बात कही जा रही है। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि उसको मिल रहा है जिसके पास भूमि है। जिसके पास भूमि नहीं है उसको कुछ नहीं मिल रहा है। वृद्धा पेंशन में भी वृद्धि नहीं की गयी है। विधवा पेंशन और विंकलांग पेंशन में भी ऐसे ही है। आज गरीब के साथ ही मध्यम वर्ग भी त्रस्त है। मात्र 2.2 प्रतिशत लोग आयकर देते है।

असमानता बढ़ी है और गरीब अधिक गरीब हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सदन में विनियोग(संख्याक दो) विधेयक2024 और जम्मू– कश्मीर विनियोग(संख्याक3) विधेयक 2024 को सदन में पेश किये जाने पर श्री सिंह ने चर्चा की शुरूआत करते हुये कहा कि देश में सामाजिक और आर्थिक स्तर पर असमानता बढ़ा है जबकि यह देश अनेकता में एकता वाला है। विकास,प्रयास और विश्वास की बात तभी जो सकती है जब

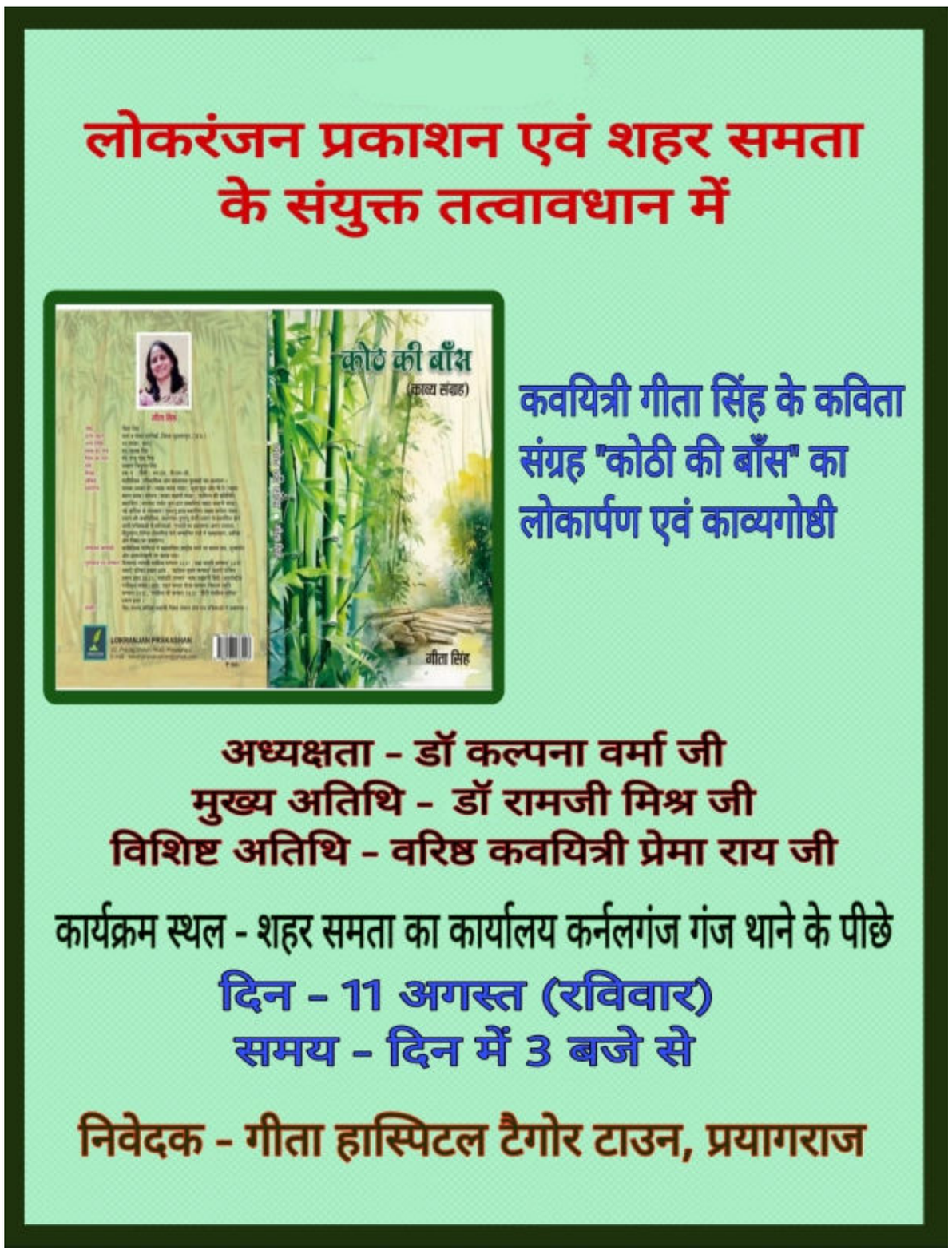

केशव प्रसाद मौर्य केस में फैसला सुरक्षित

दलील- मौर्य पर 7 केस, डिप्टी सीएम नहीं रह सकते, कोर्ट ने कहा - सरकार का पक्ष सुनने की जरूरत नहीं

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल हुई है। ये याचिका केशव के उस बयान को लेकर है, जिसमें उन्होंने कहा था कि सरकार से बड़ा संगठन होता है। हाईकोर्ट के वकील मंजेश कुमार यादव ने 31 जुलाई को याचिका दायर की, आज इस केस में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुरक्षित किया है।

कोर्ट ने कहा – इस केस में राज्य सरकार का पक्ष सुनने की जरूरत नहीं है। दरअसल, याचिका में कहा गया कि मौर्य के खिलाफ 7 केस भी दर्ज हैं। इसलिए वो संवैधानिक पद पर नहीं रह सकते। दरअसल, 14 जुलाई को डिप्टी सीएम ने सरकार और संगठन पर बयान दिया था। जिसमें उन्होंने संगठन को बड़ा बताया था। बाद में एक्स पर भी यही बात पोस्ट की थी।

मंजेश यादव ने याचिका में कहा– केशव मौर्य का यह कहना कि सरकार से बड़ा संगठन होता है, उनके पद की गरिमा को कम करता है। साथ ही सरकार की पारदर्शिता पर संदेह पैदा करती है। भाजपा, राज्यपाल और चुनाव आयोग, सभी की ओर से कोई प्रतिक्रिया या खंडन न करना, इस मुद्दे को और जटिल बनाता है। याचिका में केशव मौर्य के आपराधिक इतिहास का भी जिक्र किया गया है। कहा गया कि उपमुख्यमंत्री बनाए जाने से पहले उन पर 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वकील का तर्क है कि ऐसे रिकॉर्ड वाले किसी व्यक्ति को संवैधानिक पद पर नियुक्त करना गलत है।

लोकसभा चुनाव के खराब प्रदर्शन के बाद केशव ने लिखा

लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा के खराब प्रदर्शन पर डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने बयान दिया। लखनऊ में कार्य समिति की बैठक के बाद देर रात डिप्टी सीएम मौर्य ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा– संगठन सरकार से बड़ा था, बड़ा है और हमेशा रहेगा। मैं उपमुख्यमंत्री बाद में हूं, पहले कार्यकर्ता हूं। मेरे घर के दरवाजे सबके लिए खुले हैं। केशव के इस बयान को योगी को संदेश देने से भी जोड़ कर देखा गया। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि लोकसभा चुनाव में सीट कम आने के बाद सीएम योगी और केशव में दूरियां बढ़ गई हैं। लोकसभा चुनाव के बाद वह किसी भी बैठक में शामिल नहीं हो रहे थे। केशव राज्य सरकार की बैठकों में शामिल भी नहीं हो रहे थे। कार्य समिति बैठक में सीएम योगी ने कहा– अगर, सरकार को खरोंच आई तो उसका असर उन पर भी पड़ेगा। जो लोग अभी से उछल–कूद कर रहे हैं, उन्हें दोबारा ऐसा करने का मौका नहीं मिलेगा। इसके बाद केशव ने इशारों में सरकार को यह बता दिया कि उनसे बड़ा संगठन है। बैठक के बाद केशव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा– संगठन सरकार से बड़ा है। संगठन से बड़ा कोई नहीं होता है। हर एक कार्यकर्ता हमारा गौरव है।

हाईकमान तक पहुंची थी संगठन और सरकार के बीच खींचतान : लखनऊ में चल रही ये खींचतान दिल्ली तक पहुंची। 27 जुलाई से दिल्ली में दो दिन भाजपा शासित मुख्यमंत्रियों की पीएम मोदी के साथ बैठक हुई। इसमें सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव और ब्रजेश पाठक भी दिखे। बाद में गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात हुई। मुलाकात में हिदायत दी गई कि खींचतान कम की जाए। कोई अनर्गल बयानबाजी न की जाए। केशव दिल्ली से लौटे तो उन्होंने गृह विभाग की बैठक करके बड़ा संदेश दिया। यह विभाग योगी के पास है। फिर विधानसभा मानसून सत्र में भी केशव, सीएम योगी के साथ दिखे।

कौन हैं मंजेश कुमार यादव, जिन्होंने लगाई याचिका: मंजेश कुमार यादव आजमगढ़ के रहने वाले हैं। वर्तमान में प्रयागराज के झूंसी इलाके में रहते हैं। 2017 में मेयर का चुनाव लड़ा था। इलाहाबाद हाईकोर्ट में 2013 से वकालत कर रहे हैं। कई जनहित मुद्दों पर याचिका दाखिल कर चुके हैं।

वकीलों का गैंग महिलाओं से करवाता है फेक केस

एससी–एसटी और रेप के फर्जी मुकदमे, सरकारी पैसों का बंदरबांट, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बार और बेंच न्याय की दो आंखें हैं। किसी को भी न्यायिक प्रक्रिया के दुरुपयोग की छूट नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि झूठे केस में फंसाकर सरकारी धन की बंदर बांट की अनदेखी नहीं की जा सकती। ऐसे में कोर्ट मूक दर्शक नहीं रह सकती। कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा– सच उजागर होना चाहिए और काली भेड़ेंपकड़ी जानी चाहिए। हाईकोर्ट में एक केस के शीघ्र निस्तारण के मांग में दाखिल याचिका पर बड़ा खुलासा हुआ।

प्रयागराज में वकालत के बजाय दूसरा धंधा करने वाले कुछ वकीलों का एक गैंग ऑपरेट हो रहा है, जो महिलाओं को शामिल कर एससी धएसटी एक्ट के तहत झूठे आपराधिक केस में निर्दोष लोगों को फंसाकर चार्जशीट दाखिल होने पर सरकार से पीड़िता को मिली राशि का बंटवारा करता है।

कोर्ट ने दिया जांच का आदेश: पुलिस विवेचना कर रही थी कि इस खुलासे के बाद सच्चाई पता लगाने के लिए न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने सीबीआई को प्रारंभिक जांच का आदेश दिया। कुछ की एसआईटी जांच भी कराई गई। कोर्ट ने अधिवक्ता भूपेंद्र पांडेय के खिलाफ निक्की देवी द्वारा दारागंज थाने में दर्ज मामले में सीबीआई द्वारा क्लोजर रिपोर्ट दाखिल होने के बाद याचिका अर्थहीन करार दिया है।

सीबीआई की प्रारंभिक रिपोर्ट सीलः दूसरी तरफ सीबीआई ने विशेष अदालत लखनऊ में याची निक्की देवी, अधिवक्ता विनोद शंकर त्रिपाठी व सुधाकर मिश्र के खिलाफ धारा 120 बी व धारा 211 भारतीय दंड संहिता के तहत केस चलाने की अर्जी दी। कोर्ट ने इस मामले की जांच कर रही सीबीआई की प्रारंभिक रिपोर्ट सील कर महानिबंधक के समक्ष रख दिया है और एसआईटी को 8 मामलों की विवेचना करने का आदेश दिया है। आदेश की प्रति आईजीएसआईटी लखनऊ को भेजने को कहा है। याचिका पर अधिवक्ता शैलेश मिश्र,सी बी आई के अधिवक्ता ज्ञान प्रकाश व विपक्षी भूपेंद्र पांडेय ने बहस की। बाद में खुलासे के साथ तमाम वकीलों ने अर्जियां दी। 51 आपराधिक केसों का खुलासा किया गया। जिसमें से सबसे अधिक मऊआइमा में दर्ज है।

वकीलों का एक गैंग सक्रिया, महिलाओं की मदद से केसः बताया गया कि वकीलों का एक गैंग महिला की मदद से एससी–एसटी एक्ट में झूठी एफआईआर दर्ज कराता है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद सरकार से पीड़िता को मिली राशि की बंदरबांट करता है। तमाम लोगों सहित वकीलों को भी झूठे केस में फंसाया गया है। भूपेंद्र पांडेय को दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाया गया। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने न्याय हित में सीबीआई को प्रारंभिक जांच सौंपी। जिसने गैंग को कटघरे में ला खड़ा किया है। सीबीआई ने 46 केस की जांच शुरू की तो पता चला वे 38 केस ही हैं। सराय इनायत सहित अन्य थानों में दर्ज मामले भी आए। कोर्ट ने 108 पृष्ठ के फैसले में पूरा खुलासा करते हुए कहा कि न्यायिक प्रक्रिया का दुरूपयोग करने वाले बचने नहीं चाहिए। फिलहाल SIT 8 केस की विवेचना करेगी। इनमें चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। संबंधित जिला जजों से ट्रायल पूरा कराने को कहा गया है।

प्रयागराज में सांप के डंसने से किशोर की मौत

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, पिता बोले– डीएम बनने का सपना रह गया अधूरा

मेजा। प्रयागराज के मेजा में कोरांव थाना क्षेत्र के महुली गांव में बीती देर रात को सांप के डंसने से एक किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। जिससे परिवार में कोहराम मच गया। सांप काटने के बाद घर में ही छिपा रहा। मिली जानकारी के मुताबिक ऋषभ केसरी पुत्र दिलीप केसरी (12) निवासी महुली थाना कोरांव अपने दो छोटे भाइयों के साथ घर पर ही प्रतिदिन की तरह भोजन करने के बाद रात में चारपाई पर सो गया था। देर रात को अचानक ऋषभ को दाहिने हाथ में सांप ने डस लिया, जिससे वह बेहोशी की हालत में चला गया। जैसे ही मामले की जानकारी परिजनों को हुई तो झाड़–फूंक और दवा पिलाने तथा उपचार के लिए कई जगहों पर ले गए लेकिन घंटो बाद किशोर ने दम तोड़ दिया। परिजन मृतक किशोर के शव को लेकर थाने पहुंचे। जहां से पुलिस ने पंचनामा की कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है की मृतक तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। हादसे के बाद परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल था। मामले मे कोराव के अतिरिक्त थाना प्रभारी शैलेश सिंह ने कहा की शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

डीएम बनने का सपना अधूरा रह गया : मृतक किशोर के पिता दिलीप ने बताया की ऋषभ डीएम बनना चाहता था। ताकि आम जनता की रक्षा कर सके। लेकिन उसका सपना अधूरा ही रह गया। उन्होंने बताया कि ऋषभ पढ़ने में तेज था।

पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया के खिलाफ कार्रवाई पर रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मिर्जापुर की अदालत में लंबित मुकदमे में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्र ने कैलाश चौरसिया व कलीम की अर्जी पर उनके अधिवक्ता को सुनकर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मिर्जापुर शहर कोतवाली पुलिस द्वारा 2017 में आईपीसी की धारा 171 एच व 188 के तहत प्रस्तुत आरोप पत्र पर संज्ञान लेने का आदेश दिया है। याची का तर्क है कि आईपीसी की धारा 188 के तहत अपराध का मुकदमा केवल शिकायत के आधार पर ही चलाया जा सकता है और आईपीसी की धारा 171–एच के तहत अपराध एक असंज्ञेय अपराध है। इसलिए विवेचक द्वारा धारा 171–एच के तहत अपराध की जांच के बाद प्रस्तुत पुलिस रिपोर्ट से राज्य केस की स्थापना नहीं होगी, यानी मजिस्ट्रेट ने सीआरपीसी की धारा 190(1) (बी) के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग किया है।

प्रयागराज में मूसलाधार बारिश, 1200 घरों में घुसा पानी

बड़े हनुमान मंदिर तक पहुंचीं मां गंगा, करेली इलाके में लोगों के किचन हुए जलमग्न

प्रयागराज। प्रयागराज में गंगा–यमुना का जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि आज बुधवार सुबह पानी बांध पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर में पहुंच गया। मां गंगा ने हनुमान जी को स्नान करा दिया। मंदिर को दर्शन के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं दूसरी ओर ससुर खदेरी नदी का जलस्तर बढ़ने से करेली के करीब 1200 घरों में पानी घुस गया है। स्थिति यह है कि लोगों का किचन और बेडरुम भी जलमग्न हो गया है। करेली जेके कालोनी, ऐनुद्दीनपुर, गड्ढा कालोनी, जेके आशियाना समेत कई जगह 6 फिट से अधिक पानी इलाके में भर गया है। अधिकतर लोगों ने पानी की वजह से पलायन भी करना शुरु कर दिया है।

घुटने तक भरा पानी, ओवरफ्लो हुए नाले : कई इलाकों में घुटने तक पानी भर गया। नाले भर गए और ओवरफ्लो होकर ऊपर से बहने लग हैं। मेडिकल चौराहे पर रामबाग फ्लाईओवर के पास सड़क पर पानी भर गया। लोग उधर से ही गुजर रहे हैं। वहीं जानसेनगंज डॉट पुल के पास बच्चों को लेने जा रही बीबीएस इंजीनियरिंग कॉलेज की बस बंद हो गई, अच्छी बात यह थी कि उस समय उस समय बच्चे नहीं थे। करेली में मो. शिराज, अब्दुल सकूर, सपा नेता नदीम समेत अन्य लोगों के घरों ज्यादा पानी भर गया है।

युवक को इलाज के लिए ठेले से लेकर पहुंचे परिजन

रास्ते में दम तोड़ा, तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

हंडिया। प्रयागराज के हंडिया में एक युवक ने इलाज के अभाव में दम तोड़ दिया। बीमारी ही हालत में युवक को परिवार के लिए ठेले से लेकर सीएचसी सैदाबाद पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ग्रामीणों के अनुसार भदवा गांव निवासी वीरेंद्र मुसहर पुत्र जोखन लाल 32 वर्ष की अचानक से तबीयत खराब हो गई। गरीबी और पैसे के अभाव में अस्पताल ले जाने के लिए साधन नहीं मिला। पत्नी अपने बच्चों के साथ युवक को ठेले से लादकर सीएचसी सैदाबाद लेकर पहुंची। इस बीच रास्ते में ही युवक की हालत गंभीर हो गई और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। युवक मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। उसके 2 बेटे और एक बेटी है। पत्नी और बच्चो के साथ–साथ परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है स पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद युवक के मौत का कारण स्पष्ट होगा।

सपा एमएलसी पहुंचे परिवार से मिलने : युवक की मौत की सूचना पर समाजवादी पार्टी के एमएलसी मानसिंह यादव भी मौके पर पहुंचे और परिवार के लोगों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि घटना के बारे में सपा प्रमुख को बताएंगे। युवक के परिवार की पूरी मदद की जाएगी। उन्होंने सरकार पर भी जमकर निशाना साधा स बता दें इसके पहले भदवा गांव में दूषित पानी पीने की वजह से अभी तक कुल 4 लोगों की मौत हो चुकी है।

प्रयागराज के लखनपुर गांव में तीसरी बार चोरी

मेजा। प्रयागराज के मेजा में लखनपुर गांव में चोरों ने लगातार तीसरी बार चोरी की घटना को अंजाम देते हुए पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है। महीने भर में तीसरी बार चोरी से जहां ग्रामीणों में भय व्याप्त है। वहीं पुलिस की कार्यशैली पर भाजपा नेता व प्रधान प्रतिनिधि ा ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से शिकायत करने की चेतावनी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, मेजा थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव निवासी सरिता पांडेय पत्नी स्वर्गीय अभिनाश पांडेय थाना क्षेत्र के बकचूंदा गांव अपने मायके गई हुई थी। बीती रात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़ते हुए दस हजार नकदी समेत पांच सोने की अंगूठी एक मंगलसूत्र, नथिया,बेदी,पायल,छागल, सहित साढ़े तीन लाख के आभूषण के साथ अन्य सामान पार कर दिया। सुबह जब भुक्तभोगी घर पहुंची तो घर में सामान बिखरा देख अवाक रह गई। सूचना पर चौकी प्रभारी मेजारोड अरविंद सोनकर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच जांच पड़ताल में जुट गए। पहले हुई चोरी की घटना में शामिल चोरों की तलाश में लकीर पीट रही पुलिस अभी चोरों तक पहुंच भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर चोरों ने वारदात को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दे डाली है।

मुख्यमंत्री से पुलिस की होगी शिकायत : गांव में लगातार हो रही चोरियों को लेकर जहां ग्रामीणों में भय व्याप्त है, वहीं पुलिस के प्रति लोगों में आक्रोश भी कम नहीं है। उर्ध पुलिस की कार्यशैली पर भाजपा मेजा महामंत्री व प्रधान प्रतिनिधि लखनपुर राजीव मणिनाथ तिवारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के अंदर अगर चोरी का खुलासा पुलिस नहीं कर पाती है, तो वह ग्रामीणों के साथ थाने का घेराव करते हुए इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से करेंगे।

पुलिस टीम जांच हेतु गठितः प्रभारी निरीक्षक मेजा राजेश उपाध्याय ने बताया कि अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। चोरों की तलाश में टीम गठित कर दी गई। कोई खास व्यक्ति चोरी में शामिल है। उसको मालूम था कि घर में कोई भी नहीं है। फिलहाल उन्होंने कहा कि चोर कोई भी हो दो–तीन दिन में वह सलाखों के पीछे होगा।

प्रयागराज में राजीव की संपत्ति खंगाल रही ईडी

आरओ-एआरओ, पुलिस भर्ती पेपर लीक के मास्टरमाइंड के ठिकानों पर दबिश, करोड़ों की प्रॉपर्टी पर होगा एक्शन

प्रयागराज। आरओ– एआरओ पेपर लीक कांड और पुलिस भर्ती के नाम पर ईडी की नजर

राजीन नयन मिश्र के नाम

प्रयागराज के राजीव नयन मिश्र की संपत्ति ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने अटैच करना शुरू कर दिया है। पेपर लीक कांड का यह सरगना प्रयागराज का रहने वाला है। प्रयागराज के मेजा, शहर के साथ ही अपने साथियों संग मिलकर कौशांबी, प्रतापगढ़ समेत अन्य शहरों में इस शातिर ने नामी–बेनामी संपत्ति अर्जित की है। लखनऊ ईडी टीम ने संपत्ति अटैच करने के साथ ही अब प्रयागराज और अन्य जिलों में अर्जित संपत्ति का लेखाजोखा जुटाना शुरू कर दिया है। राजीन नयन और उसके साथियों के खिलाफ शहर के सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज है। एसटीएफ ने जांच कर चार्जशीट लगा दी है। लेकिन, अब ईडी की टीमें प्रयागराज, कौशांबी, प्रतापगढ़, बनारस, नोएडा, लखनऊ समेत अन्य जिलों की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। इसके लिए लगातार दबिश दी जा रही है।

दोस्त, रिश्तेदार, ससुराल वालों संपत्तियों के साथ ही उसके रिश्तेदार, ससुराल वालों, परिवार के सदस्यों और दोस्तों के नाम की संपत्तियों की जांच तेज हो गई है। प्रयागराज के जार्जटाउन इलाके में राजीव नयन ने इंजीनियरिंग और मेडिकल में एडमिशन कराने के नाम पर ऑफिस खोला था। वह और उसके कर्मचारी सिविल लाइंस के एक फ्लैट में रहते थे। फ्लैट की कीमत एक करोड़ से ऊपर है। ईउी जांच कर रही है कि फ्लैट किसने के नाम है, राजीव नयन का उससे क्या रिश्ता है। ऐसा तो नहीं कि फ्लैट राजीव का हो लेकिन उसे किसी और के नाम से खरीदा गया हो।

जानिए ईडी ने क्या कार्रवाई की

सिपाही भर्ती परीक्षा और आरओ एआरओ परीक्षा का पेपर लीक करने वाले मुख्य आरोपियों राजीव नयन मिश्रा और सुभाष प्रकाश की 1.02 करोड़ रुपए की चल–अचल संपत्तियों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को जब्त कर लिया। ईडी, लखनऊ जोनल कार्यालय ने राजीव नयन द्वारा भोपाल (मध्य प्रदेश) में एक घर को खरीदने के बदले दिए गए 39.36 लाख रुपए अग्रिम की धनराशि, ग्रेटर नोएडा में 30 लाख रुपये कीमत का फ्लैट, दादरी में 10.50 लाख रुपए का आवासीय भूखंड जब्त किया है। इसके अलावा दोनों के बैंक खाते में जमा 7.06 लाख और 15.34 लाख रुपए कीमत की 2 कारें भी शामिल हैं। बता दें कि ईडी ने दोनों परीक्षाओं का पेपर लीक होने के बाद यूपी पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमों के आधार पर प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। जांच में सामने आया कि राजीव नयन मिश्रा, सुभाष प्रकाश और रवि अत्री ने अपने सहयोगियों की मदद से दोनों भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र लीक किए। उन्होंने निर्धारित तिथि से पहले परीक्षा के इच्छुक उम्मीदवारों को लीक हुए प्रश्न पत्र उपलब्ध कराकर अपराध से आय अर्जित की। अभ्यर्थियों को हरियाणा के मानेसर और मध्य प्रदेश के रीवा और भोपाल के रिसॉर्ट्स में इकट्ठा किया गया और उनको पेपर पढ़वाया गया। परीक्षा की अधिसूचना जारी होने के बाद आरोपियों के बैंक खातों में महत्वपूर्ण क्रेडिट और नकद जमा देखे गए। ईडी की कार्रवाईरू सिपाही भर्ती, आरओ परीक्षा का पेपर लीक कराने वालों की संपत्ति हुई जब्त, बैंक खाते हुए सील

इससे पहले पुलिस–एसटीएफ ने क्या–क्या किया

आरओ–एआरओ पेपर लीक कांड में अब एसटीएफ और पुलिस संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही है। जांच के बाद मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्र समेत 16 आरोपियों के बैंक खातों की डिटेल निकाली गई है। प्रयागराज में केस दर्ज किया गया है। एसटीएफ ने अब तक 24 अकाउंट को फ्रीज किए हैं। इन खातों में लाखों की रकम का ट्रांजेक्शन हुआ है। 7 आरोपियों के साथ ही उनके रिश्तेदार, करीबियों के बैंग अकाउंट फ्रीज किए गए। इतना ही नहीं, करीब 21 अकाउंट जांच के दायरे में हैं। कई नामी बैंक के एकाउंट की जांचइन खातों के जरिए लाखों की रकम इधर उधर की गई। दो जगह से गैंग ने पेपर लीक किया था। गैंग के सदस्यों से पूछताछ में पता चला है कि मास्टरमाइंड राजीव नयन मिश्रा समेत अन्य साथियों ने अपने करीबियों के बैंक के खाते के जरिए किया था। हालांकि, एसटीएफ ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 24 बैंक खातों को फ्रीज किया। इसमें एसबीआई, एचडीएफसी, बैंक ऑफ बड़ौदा, पीएनबी, बैक ऑफ महाराष्ट्र, आईसीआई, पंजाब एंड सिंध बैंक आदि के अकाउंट शामिल हैं। मास्टरमाइंड राजीन नयन के बैंक अकाउंट की जांच से साफ हुआ है कि उसने कई महिला करीबी के खातों में रकम ट्रांसफर कराई थी। इसे लेकर जांच हो रही है।

आरओ–एआरआ भर्ती परीक्षा के पेपर लीक मामले में प्रयागराज के सिविल लाइंस थाने में मामला दर्ज है। एसटीएफ गिरफ्तारी कहीं से भी करे, लेकिन जांच में सिविल लाइंस पुलिस भी शामिल हो रही है। प्रयागराज समेत अन्य जिलों में बैंक अकाउंट की जांच में लगी टीमों ने अब खातों को फ्रीज करना शुरू कर दिया है। अब जानते हैं कि सरगना समेत अन्य का प्रयागराज से क्या रिश्ता है सिपाही भर्ती परीक्षा, न्च त्ब्।त् परीक्षा पेपर लीक कांड का सरगना प्रयागराज के मेजा का रहने वाला राजीव नयन मिश्र है। राजीव ने ही शहर शहर, दूसरे राज्यों तक यूं जाल फैलाया कि वह हर पेपर लीक कांड का मुखिया बनता गया।

डायरिया से पीड़ित दो बच्चों की हालत बिगड़ी, एसआरएन रेफर किया गया, पांच लोगों की हो चुकी है मौत

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के भदवां गांव में डायरिया का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को उल्टी–दस्त से पीड़ित दो बच्चों को एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इनका उपचार स्थानीय अस्पताल में चल रहा था, लेकिन हालत बिगड़ने पर इन्हें शहर रेफर कर दिया गया। रेफर होने वालों में लखन मुसहर की बेटी नंदिनी के अलावा वीरेंद्र मुसहर का तीन साल का बेटा चंचल भी शामिल है। वीरेंद्र मुसहर की मंगलवार को उल्टी दस्त से मौत हो चुकी है। इसके अलावा मुसहर बस्ती और लोग मौत के मुंह में समा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में महज खानापूर्ति कर रही है। डायरिया से पीड़ित कई लोगों का उपचार चल रहा है। इसमें ज्यादातर लोग झोलाछाप चिकित्सकों के यहां उपचार करा रहे हैं।

हरियाली तीज महोत्सव का हुआ आयोजन

प्रयागराज।उत्तर मध्य रेलवे महिला वेलफेयर संगठन कानपुर के बैनर तले हरियाली तीज महोत्सव मनाया गया।कार्यक्रम का

शुभारंभ श्रीमती शिविका सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर के किया गया।तत्पश्चात टैलेंट के अंतर्गत गणेश वंदना तथा स्वागत गीत की सुंदर प्रस्तुति डा. सविता त्रिपाठी द्वारा दी गई।इस दौरान महिलाओं ने विभिन्न गानों पर मनमोहक नृत्य किये, झूला झूला और गेम के साथ सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाई। कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन की सचिव श्रीमती मोनिका शर्मा तथा श्रीमती द्वारा किया।

साहित्यकार एवं पत्रकार भोलानाथ कुशवाहा की पत्नी हीरामनी देवी के निधन पर शोक सभा

प्रयागराज । वरिष्ठ पत्रकार और साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा

की पत्नी श्रीमती हीरामनी देवी (उम्र 72 वर्ष) का कल रात 6 अगस्त को हृदय की गति रुक जाने से मिर्जापुर में निधन हो गया। उनके निधन पर शहर समता विचार मंच की एक शोक सभा उमेश श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई। शोकसभा में महिला काव्यगोष्ठी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रचना सक्सेना ने शोक संतृप्त परिवार के लिए ईश्वर से प्रार्थना की कि वह उन्हें शांति प्रदान करें ।शोकसभा में केपी गिरी, डॉ स्नेह सुधा, प्रेमा राय, कविता उपाध्याय, जया मोहन, मिली श्रीवास्तव, डॉ वीरेंद्र तिवारी ने अपनी–अपनी शोक संवेदना व्यक्त की।

बीएसए ने विद्यालयों के निरीक्षण का दिया आदेश

प्रतापगढ़। बीएसए भूपेन्द्र सिंह ने जिले के सभी खण्ड विकास अधिकारियों को पत्र जारी कर बेसिक स्कूलों के सघन निरीक्षण का आदेश दिया है। अपने पत्र में बीएसए ने लिखा है कि विद्यालयों में शिक्षकों की शत प्रतिशत उपस्थित सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या में 75 प्रतिशत बच्चों की कक्षा में भी उपस्थिति को चेक किया जाए। उन्होंने शासन व विभाग की गाइडलाइन के अनुसार विद्यालयों के संचालन के लिए खण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया है।

निरीक्षण में अनुपस्थित पाए गये पश्चच दर्जन से अधिक शिक्षकों का बीएसए ने रोका वेतन, मांगा स्पष्टीकरण

प्रतापगढ़। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेश पर 27 से 6 अगस्त तक जिले भर के बेसिक स्कूलों में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले भर के बेसिक स्कूलों में 68 शिक्षक या तो लेट विद्यालय पहुंचे या गायब रहे। इस श्रेणी में प्रधानाध्यापक, शिक्षा मित्र, शिक्षक, अनुदेशक शामिल रहे। रजिस्टर में उनके नामों के सामने हस्ताक्षर नहीं मिले और न ही विद्यालय में उपस्थित मिले। बीएसए ने अग्रिम आदेशों तक निरीक्षण के दिन अनुपस्थित रहे सभी शिक्षकों के वेतन भुगतान पर रोक लगाते हुए स्पष्टीकरण मांगा है।

होमगार्ड के जवानों ने स्कूल में किया पौधरोपण

प्रतापगढ़, कुण्डा। बाबागंज ब्लाक के कम्पोजिट विद्यालय डीह बलई में बुधवार को होमगार्ड के जवानों ने पौधरोपण किया गया। होमगार्डो ने पर्यावरण जागरूकता को लेकर छायादार एवं फलदार पौधरोपित किये। इनमें जामुन, आम, पीपल व नीम के पौधे लगाए गए। मौजूद अधिवक्ता अरविन्द त्रिपाठी पंकज ने पौधरोपण को पर्यावरण संरक्षण की संजीवनी बताया। इस मौके पर प्रधान मुकुन्द यादव, प्रधानाध्यापक दिनेश कुमार, भारत लाल, अरविन्द पाण्डेय, रोहित कुमार, प्रवीण पाण्डेय, महावीर, कृष्ण चंद्र, अवधेश शुक्ल, उपेन्द्र मिश्र, अजीत, सचिन, गुडडू, नन्हें लाल यादव, राजेश दुबे, लल्लूराम, विनय पाण्डेय, रामप्यारे मौर्य, बैजनाथ मिश्र, रंगनाथ पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

जला ट्रांसफार्मर न बदलने पर ग्रामीणों ने उपकेंद्र पर किया प्रदर्शन

प्रतापगढ़, लालगंज। माह भर से जले ट्रांसफार्मर के ठीक न होने से बुधवार को ग्रामीणों में आक्रोश पनप उठा। बडी संख्या में विद्युत उपकेन्द्र लालगंज पहुंचकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। उमरपुर भटनी गांव में लगा दस केवीए का ट्रांसफार्मर पचीस दिन पूर्व अचानक जल गया। जिससे गांव में दर्जन भर से अधिक परिवार के लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गये। बार बार शिकायत के बावजूद विभाग द्वारा ट्रांसफार्मर नही बदला गया। गांव के रामू सरोज, राजेश, सुरेश, कमलेश, लालजी, श्रीनाथ, कटरहिन, रामकिशोर, आशीष, जितेन्द्र, फूलचंद्र, कमलेश मौर्य, राकेश मौर्य आदि ग्रामीणों का कहना है कि ट्रांसफार्मर पर अधिक लोड होने के कारण वह बार बार जल जाता है। जिसकी शिकायत करने के बावजूद विभाग ट्रांसफार्मर की क्षमता नहीं बढ़ा रहा है। आक्रोशित ग्रामीण बुधवार की दोपहर विद्युत उपकेन्द्र लालगंज पहुंचे और एसडीओ कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने लगे। एसडीओ ने समझा बुझाकर किसी तरह उन्हें शान्त कराया। ग्रामीणों ने शीघ्र ट्रांसफार्मर न बदले जाने पर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन तेज करने की चेतावनी दी है। एसडीओ मनोज त्रिपाठी का कहना है कि एक दो दिन में ट्रांसफार्मर ठीक कराकर विद्युत व्यवस्था सुचारू करा दी जाएगी।

झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले, कई जगह हुआ जलभराव

प्रतापगढ़। बुधवार की भोर से ही लगभग चार घण्टे झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे। हालांकि बारिश से सार्वजनिक स्थलों पर जलभराव को लेकर लोग परेशान रहे। लालगंज तहसील परिसर में बारिश का पानी मुख्य गेट से लेकर एसडीएम कार्यालय तक भर गया। इससे वादकारियों तथा तहसील आने वाले फरियादियों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। अस्पताल परिसर में भी बारिश का पानी जमा होने से रोगियों व तीमारदारों को परेशानी हुई। शहर के कई कार्यालय परिसर व सड़कों पर घंटों वारिस के पानी जमा रहा। बरसात होने से किसानी को जरूर फायदा मिला है। खेतों में लबालब पानी देख धान की रोपाई को लेकर किसानों के चेहरे पर खुशी देखी गयी।

सात दिनों तक प्रयाग में बहेगी कजरी की बयार

आर्य कन्या डिग्री कश्वलेज और लोक संस्कृति विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कजरी कार्यशाला का आयोजन

आर्य कन्या डिग्री कश्वलेज एवं लोक संस्कृति विकास संस्थान द्वारा लोककला को बचाने की कवायद

प्रयागराज। संगीत विभाग आर्य कन्या पी.जी. कॉलेज एवं लोक संस्कृति विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार से 12 अगस्त तक आयोजित होने वाली 'कजरी' की 7 दिवसीय प्रस्तुतिपरक 'निरूशुल्क' कार्यशाला आर्य कन्या पी.जी. कॉलेज के ऑडिटोरियम में आरंभ हुई। कॉलेज के चेयरमैन पंकज जायसवाल ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऋतु गीत

कजली लोक संस्कृति की जड़ है। वहीं प्राचार्या आर्य कन्या डिग्री कॉलेज प्रो. अर्चना पाठक ने कजरी की उत्पत्ति और उसके नामकरण पर प्रकाश डाला। लोक संस्कृति विकास संस्थान के अध्यक्ष शरद कुमार मिश्र ने कहा कि कजरी एक ऐसा लोकगीत है जिसे कोई एक व्यक्ति नही बल्कि पूरे लोक समाज ने अपनाया। कार्यशाला में संगीत एवं नृत्य में रुचि रखने वाली महिला प्रतिभागी प्रतिभाग कर रही हैं। इस कार्यशाला में बतौर प्रशिक्षक प्रतिभागियों को डॉ. चित्रा चौरसिया, असिस्टेंट प्रोफेसर, संगीत विभाग, आर्य कन्या पी.जी. कॉलेज, डॉ. रंजना त्रिपाठी, असिस्टेंट प्रोफेसर, संगीत विभाग, आर्य कन्या पी.जी. कॉलेज एवं प्रो. इभा सिरोठिया, विभागाध्यक्ष, संगीत विभाग, आर्य कन्या पी.जी. कॉलेज, कजरी गायन हेतु प्रशिक्षित कर रही हैं। वहीं कजरी लोक नृत्य का प्रशिक्षण बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की सुश्री वर्तिका तिवारी दे रही हैं। कजरी कार्यशाला में कुल 50 प्रतिभागी गायन एवं 22 प्रतिभागी नृत्य ने प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र में डॉ. ममता गुप्ता, रूपाली शर्मा, रीतिका श्रीवास्तव, स्मृति तिवारी, सौम्या दुबे सहित शैली तिवारी और कॉलेज के सभी प्रोफेसर एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

हर जिले में तैनात हों आयकर टीडीएस अधिकारी–विश्वनाथ मिश्र

पैनकार्ड को आधार से लिंक कराने पर वसूला जा रहा एक हजार किसानों व ग्रामीणों को नहीं है नियमों की जानकारी, मिले ब्याज पर हो रही 20 प्रतिशत की कटौती

प्रतापगढ़। जानकारी के अभाव में पैनकार्ड से आधार लिंक कराने से वंचित रहे बैंक खाता धारकों से 1 जुलाई 2022 से एक हजार रू0 वसूला जा रहा है। जबकि 31 मार्च 2022 तक यह निःशुल्क था। जानकारी के अभाव में बड़ी संख्या में जिले के बैंक खाता धारक पैन से आधार कार्ड को लिंक नहीं करा पाए। जमा धनराशि पर मिले दस हजार रूपए से अधिक ब्याज पर 20 प्रतिशत की कटौती होने पर लोग चौंके। बैंक पहुचकर जानकारी की तो उन्हें कटौती के राज की जानकारी हुई। इस श्रेणी में बड़ी संख्या में गॉव के लोग व किसान शामिल हैं। उन्हें आयकर विभाग के इन निर्देशों की जानकारी नहीं हो सकी थी। अब किसान व अनजान खाता धारक पैन कार्ड बनवाने से लेकर आधार से लिंक करा रहे हैं। अध्यक्ष जिला कर संगठन विश्वनाथ मिश्र ने सरकार से मांग किया है कि पैन को आधार से लिंक कराने के लिए एक हजार रू0 की जगह सौ रू0 किया जाए। इसके अलावा श्री मिश्र ने बैंक में जमा धनराशि पर मिले दस हजार ब्याज से ऊपर पर 20 प्रतिशत की कटौती की जगह 10 प्रतिशत करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि कम आय वाले व किसान बड़ी मुश्किल से अपनी इनकम का थोड़ा–थोड़ा बचत कर बैंक में जमा करता है। जानकारी के अभाव में आयकर विभाग द्वारा ऐसा किया जाना नैसर्गिक न्याय के विरूद्ध है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में वेतनभोगी कर्मचारी भी पैन को आधार से लिंक नहीं करा पाए हैं। उनको भी इस भूल का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। आयकर विभाग द्वारा 1 जुलाई 2023 से कुल सैलरी का 20 प्रतिशत कटौती निर्धारित की गई है। पैन को आधार से लिंग कराने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग के डीडीओं को सौंपी गई है। इसके बावजूद यदि कर्मचारियों के पैन आधार से लिंग होने से रह गये तो संबंधित विभाग के डीडीओ से 18 प्रतिशत व्यक्ति जुर्माने के तौर पर वसूल किया जा रहा है।

हर जिले में तैनात हों आयकर टीडीएस अधिकारी–

अध्यक्ष जिला कर अधिवक्ता संगठन व पूर्व महामंत्री उ0 प्र0 कर अधिवक्ता संगठन विश्वनाथ मिश्र ने कहा कि आयकर के संबंध में प्रचार प्रसार के लिए हर जिलों में आयकर टीडीएस अधिकारी की तैनाती की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि जानकारी के अभाव में लोगों से आयकर के नाम पर वसूली की जा रही है। श्री मिश्र ने कहा कि नये–नये बदलते नियमों की जानकारी करदाताओं को नहीं होती है। भारी कटौती होने पर आयकरदाता प्रोफेसनल के आफिस पहुंचकर नियमों की जानकारी कर रहे हैं और समस्याओं से छुटकारा दिलाने की गुजारिस करते नजर आते हैं। श्री मिश्र ने आयकर के संबंध में व्यापक प्रसार प्रसार के लिए सेमिनार आदि करने की कवायद की है। ताकि लोग आयकर के नियमों की जानकारी कर अपने साथ हो रहे अन्याय पूर्ण कटौती से छुटकारा पा सके।

डीएम ने हर घर तिरंगा अभियान एवं काकोरी ट्रेन ऐक्शन शताब्दी महोत्सव के सफल आयोजन हेतु की बैठक

13 से 15 अगस्त तक फहराएं झण्डा–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक हुई। जिले में 09 से 15 अगस्त तक काकोरी ट्रेन ऐक्शन शताब्दी महोत्सव एवं 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि पंचायती राज विभाग एवं नगर विकास से जुड़े शहीद स्मारकों, शहीद स्थलों की साफ–सफाई का विशेष अभियान चलाया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि 09 अगस्त 2024 से काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ का शुभारम्भ हो रहा है। क्रान्तकारियों के सम्मान में इसे जिले में विभिन्न गतिविधियों के साथ 09 अगस्त 2024 से 09 अगस्त 2025 तक मनाया जायेगा जिसमें विभिन्न तिथियों में कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। उन्होने निर्देश दिया कि जनपद में काकोरी ट्रेन एक्शन पर प्रसिद्ध इतिहासकारों, विशेषज्ञों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों में वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्रकला एवं क्रान्तकारियों पर आधारित नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम, काकोरी के शहीदो के याद में वृक्षारोपण आदि कार्यक्रम को सम्पन्न कराया जाए। हर घर तिरंगा अभियान के सफल आयोजन हेतु विकास खण्डवार नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है। उन्होने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक सभी सरकारी कार्यालयों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक प्रतिष्ठानों, आंगनबाड़ी केन्द्रों, अस्पतालों, अन्य सार्वजनिक स्थानों तथा आमजनमानस अपने अपने घरों पर झण्डा फहरायें। प्रत्येक नागरिक अपने आवास, स्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुये फहराया जाये। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिये। झण्डा उतारने के बाद किसी के द्वारा इसे फेंका नही जायेगा। उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाये। आधा झुका, फटा या कटा झण्डा नहीं लगाया जाएगा। सभी सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थान में खादी से निर्मित ध्वज का ही झण्डा फहराया जाये। इसके लिए जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विधिवत निर्देश दिया। चित्रकला प्रतियोगिता, सुलेख प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, बैण्ड बाजे के साथ राष्ट्रधुन का वादन आदि के आयोजन किये जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि सेल्फी, रील्स, वीडियो, झण्डे के साथ फोटो अथव देशभक्ति, झण्डा गीत के साथ वीडियो अभियान से जुड़ी वेबसाइट पर आम जनमानस अपलोड करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, अपर जिलाधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा, जिला विकास अधिकारी कृष्ण कुमार, सहित खण्ड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने एआईजी स्टाम्प एवं सब रजिस्ट्रार के वेतन आहरण पर लगायी रोक

डीएओ एवं अधिशासी अभियन्ता सिंचाई से मांग स्पष्टीकरण

प्रतापगढ़। डीएम संजीव रंजन की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय सभागार में राजस्व प्रशासन एवं कर–करेत्तर राजस्व संग्रह की समीक्षा की गयी। डीएम ने विद्युत देय, खनन, आबकारी, परिवहन विभाग, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन, मण्डी, वाणिज्य कर सहित अन्य विभागों के राजस्व वसूली की अधिकारियों से क्रमवार जानकारी ली। स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन के कार्यो में लापरवाही व समय से बैठक न कराने पर एआईजी स्टाम्प एवं सब रजिस्ट्रार के वेतन आहरण रोक लगा दी। बैठक में डीफओ एवं अधिशासी अभियन्ता सिंचाई अनुपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों से स्पष्टीकरण का निर्देश दिया। खनन निरीक्षक से भी स्पष्टीकरण मंगा गया। उपजिलाधिकारियों, तहसीलदों को निर्देश दिया कि लम्बित वादों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये। रियल टाइम खतौनी, घरौनी, आईजीआरएस, आडिट आपत्ति, दैवीय आपदा सहित अन्य कार्यो की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होने कहा कि दैवीय आपदा से होने वाली घटनाओं पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि शासन द्वारा जो भी लक्ष्य निर्धारित किये जाये उसकी शत् प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाये। राजस्व अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर जारी आरसी के वसूली निर्देश दिये। बैठक में एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा सहित समस्त सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी, तहसीलदार उपस्थित रहे।

ई–लाटरी के जरिए कृषि यन्त्रों हेतु आनलाइन बुकिंग के लाभार्थियों का होगा चयन–डिप्टी डायरेक्टर कृषि

प्रतापगढ़। उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव ने जानकारी दी है कि मौजूद वित्तीय वर्ष में कृषि विभाग की संचालित इन–सीटू योजना के तहत किसान लाभार्थियों का चयन होगा। योजना में सुपर सीडर एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर ग्रामीण उद्यमी को शामिल किया गया है। 02 से 16 जुलाई के बीच जिन किसानों ने कृषि विभाग के पोर्टल पर आनलाइन बुकिंग किया था उन्हें ही योजना का लाभ मिलेगा। योजना के लाभार्थियों का चयन 09 अगस्त को कटरा रोड़ स्थित कृषि भवन सभागार में डीएम की अध्यक्षता में गठित समिति की उपस्थिति में ई–लाटरी के जरिए किया जायेगा। डिप्टी डायरेक्टर ने कृषि यंत्रों की आनलाइन बुकिंग करने वाले किसानों से अपील किया है कि ई–लाटरी हेतु निर्धारित तिथि, स्थान व समय पर उपस्थित रहकर ई–लाटरी के माध्यम से लाभार्थियों के चयन में सहभागिता करें।

संक्षिप्त

गैंगेस्टर पकड़ों अभियान में दो को भेजा जेल, कई जिले से हुए बाहर

प्रतापगढ़। लीलापुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गैंगेस्टर के दो आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। दरोगा इद्रीश खान बुधवार की सुबह गश्त पर निकले थे। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर रानीगंज अजगरा से संजय कोरी पुत्र सुरेश कोरी व सोनू पाल पुत्र सूपाल निवासी पुतईपुर सरबाजपुर को गिरफ्तार किया। दरोगा ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों गैंगेस्टर समेत कई मुकदमों में आरोपी हैं। हत्या के एक मुकदमें में भी दोनों की पुलिस तलाश कर रही थी। गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। एसपी के निर्देश पर जिले भर के गैंगस्टरों पर शामत आयी है। उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है। इस अभियान में दर्जनभर जेल भेजे जा चुके हैं। अभियान की भनक पाकर कई जिले से बाहर जा चुके हैं।

सांसद प्रमोद तिवारी ने सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हो रहे तोड़फोड़ का उठाया मुद्दा

प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने बुधवार को केन्द्रीय भूतल एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से पार्टी के सांसदों के साथ मुलाकात की। उन्होनें जिले की लालगंज तथा रानीगंज कैथौला बाजार में नेशनल हाइवे के चिन्हीकरण के नाम पर प्राधिकरण द्वारा तोडफोड़ को लेकर शिकायत दर्ज करायी। बताया कि लालगंज एवं रानीगंज कैथौला जिले की पुरानी बाजारें हैं। इन बाजारों में एनएच प्राधिकरण द्वारा तोडफोड की कार्रवाई शुरू करने से व्यापारिक एवं कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचेगा। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों बाजारों में बिना किसी अगले आदेश के कोई तोडफोड़ न की जाय। प्रमोद तिवारी ने स्वास्थ्य सेवाओं पर जीएसटी कर को लेकर सरकार की आलोचना की है। उन्होनें कहा कि सरकार कफन तक में टैक्स ले रही है। यह जनता के साथ खुली लूट है। उन्होंने विदेशी शाखाओं के द्वारा देश के आईटी उद्योग को दी जाने वाली सेवाओं पर बत्तीस हजार चार सौ तीन करोड़ रूपये की जीएसटी नोटिस, बाजार में स्थिरता व निवेशकों के विश्वास की सुरक्षा पर चिंता जाहिर की है। उन्होने कहा कि करोड़ो की यह नोटिस आईटी सेवाओं को कमजोर करने वाला अविवेकपूर्ण कदम है। सरकार को देश के सामने करोड़ों के इस प्रकार के टैक्स चोरी को लेकर नीति और नियत स्पष्ट करनी होगी। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी का बयान मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत किया गया है।

पांच बम के साथ आरोपी गिरफ्तार, गया जेल

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पांच देशी बम के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। लालगंज कोतवाली के दरोगा राजेन्द्रराम ने बुधवार सुबह मुखबिर की सूचना पर मदनगढ़ बेलहा निवासी मो0 अरमान पुत्र मो0 जबरिल उर्फ जब्बार को मुड़ियन का पुरवा के पास से पांच देशी बम के साथ गिरफ्तार किया। कोतवाल नीरज यादव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया।

हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश ने अभिषेक को सौंपी युवक सभा पूर्वांचल की जिम्मेदारी

आधा दर्जन से अधिक लोगों को मिली विभिन्न पदों की जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। अखिल भारत हिन्दू महासभा, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने आगामी 25 अगस्त को प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियों के बीच आधा दर्जन से अधिक लोगों संगठन में जिम्मेदारियां सौंपी गई है। जिनमें अभिषेक कुमार पांडेय को हिन्दू युवक सभा, पूर्वांचल अध्यक्ष का दायित्व दिया गया है। पार्टी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार अन्य कर्मठ कार्यकर्ताओं को दी गई जिम्मेदारी में शुभम सिंह को हिन्दू युवक सभा देवरिया के जिला अध्यक्ष, श्रीमती कुंती पाण्डेय को हिन्दू महिला सभा, गोरखपुर मण्डल अध्यक्ष, विशाल सिंह को गोण्डा नगर अध्यक्ष, कुलदीप सिंह को हिन्दू युवक सभा गोण्डा जिला अध्यक्ष, रविश चन्द्र पाण्डेय को पिपराइच विधान सभा क्षेत्र के अध्यक्ष और राधेश्याम सिंह को आजमगढ़ के जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हिन्दू महासभा में हुई इन नई नियुक्तियों पर प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारी हिन्दू महासभा की नीतियों को आगे बढ़ाने के साथ संगठन की मजबूती के और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करेंगे। वहीं दूसरी ओर संगठन में नई जिम्मेदारी संभालने वाले पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह संगठन को और ऊंचाईयों पर ले जाने के लिए तत्पर रहेंगे।

एएमयू प्रोफेसर द्वारा अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में व्याख्यान

अलीगढ, एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग की प्रोफेसर फर्रुख अर्जमंद ने न्यू हैम्पशायर, प्रॉक्टर अकादमी, संयुक्त राज्य अमेरिका में 'मेडिसिन में धातु' विषय पर आयोजित प्रतिष्ठित गॉर्डन रिसर्च कॉन्फ्रेंस (जीआरसी) में व्याख्यान दिया। उन्होंने आरएनए–लक्षित कॉपर (द्वितीय) आधारित कीमोथेरेप्यूटिक ड्रग पर बात की और प्रतिरोधी कैंसर के खिलाफ उनके चयनात्मक साइटोटॉक्सिक प्रतिक्रियाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीआरसी एक प्रमुख, अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठन है जो अत्याधुनिक शोध की प्रस्तुति के माध्यम से विज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने, सहयोग को बढ़ावा देने के लिए बातचीत और चर्चाओं को प्राथमिकता देने पर कार्य करता है। अपने शोध के माध्यम से, प्रोफेसर अर्जमंद ने कई एंटीकैंसर मेटालोड्रग उम्मीदवारों को संश्लेषित किया है और तीन पेटेंट प्रकाशित किए हैं, उनकी संरचनाओं को स्पष्ट किया है और प्रतिरोधी कैंसर के खिलाफ उनकी कीमोथेरेप्यूटिक प्रभावकारिता को साबित किया है।

एबीके हाई स्कूल गर्ल्स में पौधारोपण अभियान

अलीगढ, एजेंसी। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एबीके हाई स्कूल (गर्ल्स) में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण अभियान चलाया गया। उप प्रधानाचार्य डॉ. सबा हसन ने अभियान का नेतृत्व किया और स्कूल की शिक्षिकाओं ने कुछ विद्यार्थियों के साथ मिलकर पर्यावरण को बचाने और विश्वविद्यालय परिसर में हरियाली फैलाने के उद्देश्य से स्कूल परिसर में और उसके आसपास गुलमोहर के पौधे लगाए। स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के अनुकूल आदतें विकसित करने और पर्यावरण को जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई और प्रदूषण से बचाने के लिए प्रेरित करने की शपथ भी ली।

सम्पादकीय.....

हसीना का निष्कासन

भले ही प्रथम दृष्टया, बांग्लादेश में हसीना सरकार के पतन की वजह आरक्षण विरोधी आंदोलन से उपजा आक्रोश बताया जा रहा हो, मगर इस आक्रोश की बुनियाद सात माह पूर्व हुए चुनाव में अनियमितताओं के बाद ही पड़ गई थी। हाल के दिनों में व्यापक पैमाने पर हुए हिंसक प्रदर्शनों ने शेख हसीना को प्रधानमंत्री पद त्यागकर देश छोड़ने को मजबूर कर दिया। पिछले करीब तीन सप्ताह में हुई आरक्षण विरोधी हिंसा में तीन सौ से अधिक लोगों की जान चली गई। दरअसल, इस संकट की मूल वजह एक लोकतांत्रिक नेतृत्व का तानाशाह बनना बड़ा कारण रहा। वास्तव में लगातार चार बार प्रधानमंत्री बनने वाली शेख हसीना ने जनाक्रोश को हल्के में लिया। जिससे बांग्लादेश के जनमानस में गहरे तक यह भाव पैदा हुआ कि उनकी आकांक्षाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। हालांकि, पाक परस्त राजनीतिक दलों ने इस आक्रोश को अपने लिये सत्ता का रास्ता बनाने में इस्तेमाल किया, लेकिन इस संकट को शह देने में कई विदेशी ताकतें भी पीछे नहीं रही। दरअसल, महज सात माह पहले हुए आम चुनावों के बाद से ही देश में जनाक्रोश धीरे–धीरे बढ़ने लगा था। दक्षिणपंथी रुझान वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी और अन्य राजनीतिक दलों ने आम चुनावों का बहिष्कार किया था। हालांकि,शेख हसीना लगातार चौथी बार सत्ता में तो आई, लेकिन विपक्षी दल जनता में यह संदेश देने में कामयाब रहे कि चुनावों में धांधली हुई है। इस तरह चुनावों के संदिग्ध तौर–तरीकों ने शेख हसीना की जीत को धूमिल कर दिया। जिसका अंतर्राष्ट्रीय जगत में भी अच्छा संदेश नहीं गया। तभी पिछले महीनों में अपनी सरकार के लिये अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाने हेतु शेख हसीना ने भारत व चीन की यात्रा की थी। हालांकि, इस दौरान देश में स्थितियां उनके अनुकूल नहीं थी। वास्तव में शेख हसीना लगातार विस्फोटक होती स्थितियों का सावधानी से आकलन नहीं कर पायी। आरक्षण आंदोलन को दबाने के लिये की गई सख्ती ने आग में घी का काम किया। हालांकि, लगातार चौथी बार सरकार बनाने वाली शेख हसीना के खिलाफ उपजे आक्रोश के मूल में तात्कालिक कारण अतार्किक आरक्षण ही रहा, लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल व उनके आनुषंगिक संगठन सरकार को उखाड़ने के लिये बाकायदा मुहिम चलाये हुए थे। दरअसल, वर्ष 1971 में बांग्लादेश को पाकिस्तान के दमनकारी शासन से आजादी दिलाने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की तीसरी पीढ़ी के रिश्तेदारों के लिये उच्च सरकारी पदों वाली नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण का विरोध छात्रों ने किया। उनका तर्क था कि उनकी कई पीढ़ियां आरक्षण का लाभ उठा चुकी हैं, फलतरू बेरोजगारों को नौकरियां नहीं मिल रही हैं। लेकिन इस आंदोलन को हसीना सरकार ढंग से संभाल नहीं पायी। आंदोलनकारियों से निबटने के लिये की गई सख्ती से आंदोलन लगातार उग्र होता गया। जिसका विपक्षी राजनीतिक दलों ने भरपूर लाभ उठाया। हालांकि,सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण को घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया था, लेकिन सरकार इस संदेश को जनता में सही ढंग से नहीं पहुंचा सकी। फिर छात्र नेताओं की गिरफ्तारी ने आंदोलन को उग्र बना दिया। बड़ी संख्या में आंदोलनकारी सड़कों पर उतरे। उन्होंने हसीना सरकार के खिलाफ मजबूत मोर्चा खोल दिया। जनाक्रोश के चरम का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि आक्रामक भीड़ ने मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व करने वाले 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति तक को तोड़ दिया। निस्संदेह, सत्ता से चिपके रहने के लिये किए जाने वाले निरंकुश शासन की परिणति जनाक्रोश के चरम के रूप में सामने आती है। यह घटनाक्रम श्रीलंका में 2022 के विरोध प्रदर्शन की याद ताजा कर गया, जिसमें वहां राजपक्षे बंधुओं को सत्ता से उतरकर विदेश भागने को मजबूर होना पड़ा था। हालांकि, फिलहाल बांग्लादेश में सेना ने कमान अपने हाथ में ली है लेकिन आने वाली सरकार को उच्च बेरोजगारी, आर्थिक अस्थिरता, मुद्रास्फीति जैसे ज्वलंत मुद्दों का समाधान करना होगा। हालांकि, भारत के हसीना सरकार से मधुर संबंध थे, लेकिन हालिया उथल–पुथल को देखते हुए हमें अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। पाकिस्तान परस्त बीएनपी और जमात–ए–इस्लामी की आसन्न वापसी से भारतीय उपमहाद्वीप में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों के प्रति सावधान रहने की जरूरत होगी।

शेख हसीना का इस्तीफा

एजेंसी

आरक्षण विरोधी आंदोलन के तेज होने के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण में कोटा घटाने का फैसला लिया था, स्थिति ठीक भी होने लग गई थी लेकिन बाद में यह आंदोलन एक सूत्रीय मांग पर केन्द्रित हो गया था कि शेख हसीना इस्तीफा दें।

बांग्लादेश में पिछले लगभग 20 दिनों से चल रहे आरक्षण विरोधी आंदोलन को झेलने में असमर्थ वहां की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंततरू इस्तीफा दे दिया है। खबर है कि शेख हसीना ने देश भी छोड़ दिया है और सेना के विशेष हेलीकॉप्टर से शरण लेने के लिये भारत आ गई हैं। आरक्षण विरोधी आंदोलन के तेज होने के बाद बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने आरक्षण में कोटा घटाने का फैसला लिया था, स्थिति ठीक भी होने लग गई थी लेकिन बाद में यह आंदोलन एक सूत्रीय मांग पर केन्द्रित हो गया था कि शेख हसीना इस्तीफा दें। इसे लेकर पूरे देश में पिछले एक पखवाड़े से हिंसा जारी है। पीएम आवास सहित राजधानी ढाका पर आंदोलनकारियों का कब्जा हो गया है। वे पीएम आवास के अंदर घुस चुके हैं और ज्यादातर शहरों की पुलिस चौकियों में जमे हुए हैं। रविवार को बड़ी तादाद में सड़कों पर उतर आये युवा एवं छात्र पुलिस व सेना के नियंत्रण से बाहर हो गये हैं। प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेशी नेशनलिस्ट पार्टी और जमात का इस आंदोलन के पीछे हाथ बताया जाता है। शेख हसीना ने इसे लेकर इशारा भी किया था कि यह आंदोलन अब राजनीतिक हो गया है। भारत सरकार ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को देश की यात्रा टालने की सलाह दी है। ढाका में वहां के सेना प्रमुख वकार–उज–जमान ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा है शेख हसीना को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि देश में अंतरिम सरकार का गठन किया गया है। उन्होंने जनता से हालात सुधारने के लिये कुछ समय मांगा है। जाहिर है कि बांग्लादेश में तख्तापलट हो चुका है और हालत वैसे ही हैं जो 1971 में पूर्वी पाकिस्तान के रूप में उसके मुख्य देश से अलग से होने के लिये चलाये गये मुक्ति संग्राम के दिनों में था और उसके बाद 1975 की तरह भी, जब शेख हसीना के पिता व पहले प्रधानमंत्री बंगबन्धु शेख मुजीबुर्रहमान की हत्या कर जनरल एमएजी उस्मानी ने सत्ता सम्हाली थी। यह भी देखना होगा कि जिस अंतरिम सरकार के गठन की बात वहां के आर्मी चीफ कह रहे हैं उसका स्वरूप सैन्य शासन का होता है या वहां लोकतांत्रिक बहाल होता है। भारत के लिये यह मामला बहुत महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनकारी 1971 की विवादग्रस्त आरक्षण प्रणाली को समाप्त करने की मांग कर रहे थे जिसके जरिये 1971 के मुक्ति संग्राम सेनानियों के वंशजों के लिये शासकीय नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था है। इसका समर्थन करने वालों और विरोधियों के गुट आमने–सामने है जिनकी हिंसक मुठभेड़ों में 300 से ज्यादा लोगों के मारे जाने की बात कही जाती है। बड़ी संख्या में लोगों के घायल होने की भी खबरें हैं। इस दौरान कई स्थानों पर तोड़–फोड़ और आगजनी से भी नुकसान हुआ है। खासकर, सरकारी सम्पत्तियों को बड़े पैमाने पर आंदोलनकारियों द्वारा क्षति पहुंचाई गई है। तीन दिन पहले देश भर में कर्फ्यू लगा दिया गया था और पीएम ने सेना को हालात सुधारने का जिम्मा दिया था। वैसे देश में महिलाओं के लिये 10, धर्म के आधार पर अल्पसंख्यकों को 5 और विकलांग लोगों के लिये 1 प्रतिशत का आरक्षण है, लेकिन विरोध स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को दिये जाने वाले आरक्षण को ही है। बाद में हाईकोर्ट द्वारा इसका कोटा कम करने का फैसला सुनाया गया था लेकिन आंदोलनकारी उसे पूरी तरह से समाप्त करना चाहते हैं। वैसे आंदोलन के बाद जून माह में सरकार ने उच्च वर्ग की नौकरियों में इस आरक्षण को घटाया था पर इससे विरोधी संतुष्ट नहीं हुए। देखना यह है कि अंतरिम सरकार, जैसी भी बनती है, किस प्रकार से हालात को सुधारती है। दूसरी तरफ बांग्लादेश के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस ने भारत सरकार के रवैये के प्रति नाराजगी जताई है। वे ढाका में पदस्थ भारतीय दूतावास के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के पिछले महीने दिये गये उस बयान से व्यथित हैं जिसमें प्रवक्ता ने वहां के आंदोलन से उपजी स्थिति पर यह कहकर कोई टिप्पणी करने से इंकार कर दिया था कि श्यह बांग्लादेश का अंदरूनी मामला है।श यूनुस चाहते थे कि भारत शेख हसीना सरकार की इस मामले को लेकर आलोचना करें। यूनुस का कहना था कि श्जब भारत कहता है कि यह घरेलू मामला है तो मुझे दुख होता है। यदि भाई के घर में आग लगी हो तो दूसरा भाई इसे घरेलू मामला कैसे बता सकता है? जिस देश में 17 करोड़ लोग संघर्ष कर रहे हैं उसे पड़ोसी देश अंदरूनी मामला कैसे कह सकता है?श उल्लेखनीय है कि मोहम्मद यूनुस ने 1983 में बांग्लादेश ग्रामीण बैंक बनाया था जिसकी तर्ज पर दुनिया भर में बैंक बनाये गये हैं। उन्हें व उनके बैंक को 2006 में नोबेल पुरस्कार मिला था। शेख हसीना इस बैंक को श्गरीबों का खून चूसने वाला संस्थानश कहती रही हैं। बांग्लादेश में होने वाली हर घटना का असर भारत पर पड़ता ही है। खासकर, इसकी सीमाओं से भारत के जो राज्य लगे हुए हैं, वहां सबसे ज्यादा असर होता है। बांग्लादेश उन गिने–चुने पड़ोसी राज्यों में से हैं जिसके साथ कई तरह के उतार–चढ़ावों के बाद भी भारत के अच्छे रिश्ते बने हुए हैं वरना ज्यादातर के साथ तो वे काफी तल्ख हो चुके हैं। बांग्लादेश के सम्प्रभु राष्ट्र बनने में सबसे बड़ा योगदान भारत का ही रहा है। इतना ही नहीं, उस वक्त भी शेख हसीना को भारत में राजनीतिक शरण मिली थी जब शेख मुजीब का तख्तापलट हुआ था।

जम्मू–कश्मीर: पूर्व–घोषित विफलता के पांच साल!

राजेंद्र शर्मा

खबरों के अनुसार, धारा–370 के निरस्त किए जाने और जम्मू–कश्मीर को दो हिस्सों में तोड़कर और राज्य का दर्जा छीनकर, दोनों टुकड़ों को दो केंद्र शासित क्षेत्र बनाने की पांच साल पूरे होने के मौके पर, एक बार फिर, खासतौर पर कश्मीर घाटी में, प्रमुख राजनीतिक पार्टियों के नेताओं को उनके घरों में कैद कर दिया गया। मगर इसमें शायद ही किसी को हैरानी होगी। यहां और कुछ सामान्य हुआ हो न हुआ हो, इन पांच सालों में यह चीज बाकायदा समान्य हो चुकी हैकृछोटा या बड़ा, कोई भी मौका हो, कश्मीर की घाटी में प्रमुख राजनीतिक नेताओं को घर पर कैद कर दिया जाता है, ताकि किसी प्रकार का विरोध प्रदर्शन न हो सके। यह दूसरी बात है कि इसमें भी सीधे दिल्ली से नियंत्रितध निर्देशित प्रशासन ने जबर्दस्ती, डिनाइबिलिटी के खेल की गुंजाइश निकाल ली है, जहां अक्सर इन नेताओं को घर पर कैद करने की जिम्मेदारी स्वीकार करने से भी यह कहकर इंकार–इंकार खेला जाता है, सरकार कहां किसी को रोक रही हैय बस ये नेता ही हैं जो किसी वजह से घर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं! 2019 की पांच अगस्त को जम्मू–कश्मीर की स्वायत्तता पर मारक हमला किए जाने के समय पर, जो पूरे जम्मू–कश्मीर को महीनों के और कश्मीर को सालों के लिए जेल में तब्दील किया गया था, इन पांच सालों में उसमें इतना ही अंतर आया है कि प्रमुख नेता अब बाकायदा जेल में न होकर, अनौपचारिक नजरबंदी में हैं, जिनके दरवाजों पर बैठाई गई सुरक्षा टुकड़ियां कभी भी उनके घर के दरवाजे बाहर से बंद कर सकती हैं। यह इसके बावजूद है कि इनमें ज्यादातर नेता, कम से कम भारत–विरोधी कभी नहीं माने जाते थे।इन पांच सालों में लोगों की आवाज को सामने ला सकने के लिहाज से मीडिया का जो भयानक दुर्गति हुई है, वह राजनीतिक मुख्यधारा की दुर्गति से भी भयानक है। शुरूआती दौर में मीडिया को पूरी तरह से पंगु किए जाने पर ही बात नहीं रुकी। विश्वनीय तरीके से स्वतंत्र आवाज माने जाने वाले, प्रभावशाली पत्रकारों को राजनीतिक कार्यकर्ताओं से भी ज्यादा अंधाधुंध तरीके से जेलों में ठूंसे जाने, शासन को पसंद न आने वाले एक–एक शब्द के लिए पत्रकारों कोध संपादकों को रोज–रोज परेशान किए जाने, स्वतंत्र प्रकाशनों का गला पूरी तरह से घोंटे जाने आदि के जरिए, शासन के चौतरफा आतंक के जरिए, स्वतंत्र मीडिया की तो हत्या ही कर दी गई है। जो प्रकाशन बचे भी रह गए हैं, उनमें सिर्फ सरकार की आवाज है, जनता की आवाज दूर–दूर तक कहीं नहीं है। जम्मू–कश्मीर में मीडिया की दुर्दशा को एक प्रतीक से समझा जा सकता हैकृराजधानी श्रीनगर में प्रेस क्लब के चुनाव कराने की कोशिश की गई, तो सेना–संचालित प्रशासन ने प्रेस क्लब की कमेटी को ही भंग कर क्लब को अपने हाथ में ले लिया और बाद में प्रेस क्लब को पुलिस थाने में ही तब्दील कर दिया गया! और इस सब का हासिल क्या है? जम्मू–कश्मीर पर अपने सांप्रदायिक हमले के पांच साल पूरे होने के मौके पर ट्विटर पर जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर यह कहकर आधे–सच और आधे–झूठ का सहारा लेने की कोशिश की है कि ये पांच साल सिर्फ धारा–370 तथा 35ए के निरस्त किए जाने के ही पांच साल हैं। जी नहीं। ये पांच साल जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा खत्म किए जाने और उसे केंद्र शासित क्षेत्रों, जम्मू–कश्मीर और लद्दाख में बांटे जाने के पांच साल भी हैं। संघ–भाजपा के दावे के अनुसार, अगर संविधान की उक्त धाराएं वाकई जम्मू–कश्मीर के शेष भारत के साथ एकीकरण में बाधक थीं और प्रधानमंत्री के ताजातरीन बयान के अनुसार, श्महिलाओं, युवाओं, पिछड़ों, आदिवासियों तथा हाशियावर्ती समुदायों को सुरक्षा, गरिमा तथा अवसरों सेश वंचित करती थीं और उन्हें श्विकास के सुफलों से वंचित करतीश थीं, तो उक्त धाराओं को निरस्त करने के साथ ही साथ, जम्मू–कश्मीर से राज्य का दर्जा छीनने और उसे दो टुकड़ों में बांटने की क्या जरूरत थी? क्या राज्य के रूप में जम्मू–कश्मीर जम्मू–कश्मीर का अस्तित्व ही उस सब में बाधक था या ये सब गढ़े हुए बहाने ही नहीं थे, जो जम्मू–कश्मीर को सजा देने के लिए, कुचलने के लिए गढ़े गए थे! और सजा किस गुनाह की? सजा भारत का इकलौता मुस्लिम बहुल राज्य होने की, जहां के स्वतंत्रता आंदोलन के दौर समेत इतिहास तथा संस्कृति के अलावा, इस वजह से भी हिंदुत्ववादी राजनीति आसानी से कामयाब होने की उम्मीद नहीं कर सकती थी। याद रहे कि सत्ताधारी भाजपा के मातृ संगठन, आरएसएस ने इससे काफी पहले जम्मू–कश्मीर के तीन टुकड़ोंकृजम्मू, कश्मीर तथा लद्दाखकृमें बांटे जाने की बाकायदा मांग उठाई थी। लेकिन, बाद में संभवतरू जम्मू में वर्चस्व और दिल्ली पर नियंत्रण के बल पर, कश्मीर को भी नियंत्रित करने की उम्मीद में रणनीति बदल दी गई और लद्दाख को अलग करते हुए, शेष जम्मू–कश्मीर को एक साथ बनाए रखा गया। बेशक, मौजूदा निजाम पांच साल से इसका भी वादा करता आया है कि एक दिन जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। लेकिन, वह दिन कब आएगा, क्या कुछ हो जाने के बाद आएगा, यह कभी स्पष्टङ्क नहीं किया जाता है। दूसरी ओर, जम्मू–कश्मीर के संबंध में सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के बाद, इस पर तो मोहर भी लग गई है कि जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा कभी बहाल भी हुआ तो, लद्दाख के साथ उसका राज्य का दर्जा अब कभी बहाल नहीं होगा। और याद रहे कि ये पांच साल, जम्मू–कश्मीर की जनता को, एक निर्वाचित सरकार के उसके न्यूनतम जनतांत्रिक अधिकारों से भी वंचित रखे जाने के भी साल हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दावा यह किया जाता है कि धारा–370 के निरस्त किए जाने आदि, 5 अगस्त 2019 को उठाए गए कदमों के जरिए, जम्मू–कश्मीर का शेष भारत के साथ पूरी तरह से एकीकरण किया गया है और उसके हिस्से के तौर पर उसे पूरी तरह से भारतीय संविधान के दायरे में लाया गया है। लेकिन, वास्तव में जम्मू–कश्मीर को भारतीय संविधान के उन न्यूनतम जनतांत्रिक प्रावधानोंकृएक निर्वाचित सरकार के द्वारा शासनकृके दायरे से बाहर ही ध्राकेल दिया गया है। यह दूसरी बात है कि अनेक टिप्पणीकार इसे, पूरे भारत में जनतंत्र के ह्रास के हिस्से के तौर पर भी देखते हैं और उन्होंने इस हिसाब से पूरे 'भारत के ही कश्मीरीकरण' की बात करनी शुरू कर है। बेशक, लद्दाख से भिन्न, जम्मू–कश्मीर को केंद्र शासित क्षेत्र बनाते हुए भी, उसके लिए विधानसभा का प्रावधान किया गया है। लेकिन, यह भी सच है कि 2019 तथा 2024, दो–दो लोकसभा के चुनाव होने के बावजूद, जम्मू–कश्मीर में विधानसभा के चुनाव नहीं कराए गए हैं। 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद दस साल और 2018 के जून से केंद्रीय शासन को चलते हुए, पूरे छः साल बीत चुके हैं, लेकिन मौजूदा निजाम को चुनाव कराने की शायद ही कोई चिंता नजर आती है। यह इसके बावजूद है कि न सिर्फ राज्य में विधानसभाई क्षेत्रों के नये परिसीमन तथा मतदाता सूचियों के नवीकरण समेत चुनाव की सभी तैयारियां ही पूरी नहीं हो चुकी हैं, हालांकि उस सब में शफिक्सिंगश के गंभीर आरोप भी लगे थे, शासन की ओर से बार–बार इसका दावा भी किया जाता है कि जम्मू–कश्मीर में हालात सामान्य हो चुके हैं। फिर भी, 2024 के संसदीय चुनाव के समय भी, बेतुके बहाने बनाकर विधानसभाई चुनाव नहीं कराये गए, जबकि सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसके लिए 30 सितंबर की अंतिम तारीख भी तय की जा चुकी थी। हैरानी की बात नहीं है कि मानवाधिकार संगठन, फोरम फॉर ह्यङ्कमन राइट्स इन जम्मू एंड कश्मीर ने इसकी आशंका जताई है कि बढ़ते श्मिलिटेंट के बढ़ते हमलों के नाम पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय की गई अंतिम तारीख से भी आगे चुनाव की तारीखें टाली जा सकती हैं। इस फोरम ने अपनी रिपोर्ट, श्जम्मू एंड कश्मीर ए ह्यङ्कमन राइट्स एजेंडा फॉर एन इलेक्टेड एडमिनिस्ट्रेशनश में फौरन चुनाव की तारीखें घोषित किए जाने की मांग करते हुए कहा है कि इसमें श्देरी बेफायदा होगी। इससे (लोगों का)अलगाव बढ़ेगा और यह खेल बिगाड़ने वालों की मदद कर सकता है। इसके साथ ही इस रिपोर्ट में इसे भी चिंताजनक कहा गया है कि विधानसभा के चुनाव होने से पहले ही निवारक कार्रवाई कर के, निर्वाचित होने वाले प्रशासन की शासन करने की क्षमताओं पर कैंची चलाई जा रही है। 12 जुलाई को जारी नये प्रशासनिक नियमों के जरिए, 'पुलिस, नौकरशाही, एटॉर्नी जनरल तथा सरकारी अभियोजन सेवाओं पर महत्वपूर्ण शक्तियां लेफ्टीनेंट गवर्नर को दे दी गई हैं, जो एक ओर निर्वाचित प्रशासन और दूसरी ओर एक नामजद प्राधिकार, सिविल तथा पुलिस सेवाओं के बीच गतिरोध खड़ा कर सकता है, जैसाकि दिल्ली में हुआ है।'

वायनाड की तबाही अक्षम्य राजनीतिक अपराध का परिणाम

के रवींद्रन

वायनाड में हुए विनाशकारी भूस्खलन, जिसमें बस्तियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों का एक बड़ा हिस्सा तबाह हो गया, के बाद पश्चिमी घाट के लगभग 56,825 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को इको–सेंसिटिव क्षेत्र (ईएसए) के रूप में घोषित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा एक नयी मसौदा अधिसूचना जारी करने के निर्णय को इस क्षेत्र की पुरानी पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति एक रणनीतिक, सुविचारित दृष्टिकोण के बजाय एक जल्दबाजी में लिया गया कदम ही माना जा सकता है। पश्चिमी घाट, जो एक एक जैव विविधता हॉटस्पॉट और एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय क्षेत्र है, लंबे समय से विकास संबंधी दबाव और अधकचरे संरक्षण प्रयासों दोनों के निशाने पर रहा है। घाट पिछले कई वर्षों से कई पर्यावरणीय चर्चाओं और कानूनी संशोधनों का विषय रहे हैं। यहां तक कि जुलाई 2022 में जारी नवीनतम मसौदा इस पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में विकास और संरक्षण के बीच जटिल संतुलन को संबोधित करने के उद्देश्य से अधिसूचनाओं की लंबी श्रृंखला में एक और पुनरावृत्ति को चिह्नित करता है। विभिन्न राज्यों द्वारा उठाये गये मुद्दों से निपटने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया था, जिसे यह सुनिश्चित करना था कि गांव के नाम और ईएसए सीमाओं से संबंधित विसंगतियों को ठीक किया जाये। इन उपायों के बावजूद, लगातार संशोधनों से वास्तविक परिवर्तनों के बजाय ठहराव और सतही सुधारों की एक बड़ी, अधिक परेशान करने वाली प्रवृत्ति ही देखी गई। समस्या की जड़ पर्यावरणीय शासन व्यवस्था और राजनीतिक गतिशीलता के व्यापक संदर्भ में निहित है। पश्चिमी घाट की अधिसूचना की चल रही गाथा की असलियत का पता 2011 में गाडगिल समिति की सिफारिशों से लगाया जा सकता है। प्रख्यात पारिस्थितिकीविद् माधव गाडगिल के नेतृत्व में, समिति ने पश्चिमी घाटों के संरक्षण के उद्देश्य से उपायों का एक व्यापक और कठोर सेट प्रस्तावित किया था। गाडगिल रिपोर्ट ने क्षेत्र की भेद्यता को उजागर किया और एक मजबूत सुरक्षात्मक ढांचे की वकालत की। पश्चिमी घाट के इसकी पारिस्थितिक संवेदनशीलता के आधार पर तीन क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया था। इस ढांचे का उद्देश्य सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में कुछ प्रकार के विकास को प्रतिबंधित करना था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि क्षेत्र का पारिस्थितिक संतुलन बना रहे। हालांकि, गाडगिल समिति की सिफारिशों को विभिन्न राज्य सरकारों, विशेष रूप से केरल से तीव्र प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। राज्यों की आपत्तियां मुख्य रूप से संभावित आर्थिक प्रभावों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण मानी जाने वाली विकास गतिविधियों में संभावित कटौती की चिंताओं से प्रेरित थीं। इस प्रतिरोध के पीछे राजनीतिक गणना स्पष्ट थी – स्थानीय आबादी की मांगों और उनके निर्वाचन क्षेत्रों की आर्थिक अनिवार्यताओं के विरुद्ध पर्यावरणीय चिंताओं को संतुलित करना जिसका मुख्य उद्देश्य था। इस प्रतिरोध की परिणति के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व में एक दूसरी समिति के गठन में हुई, जिसने 2013 में एक संशोधित रिपोर्ट तैयार की। कस्तूरीरंगन रिपोर्ट ने कई मूल सिफारिशों को कमजोर कर दिया, कई प्रतिबंधों में ढील दी और प्रस्तावित ईएसए की सीमा को कम कर दिया। इस समझौते को कई लोगों ने संरक्षण पर एक सैद्धांतिक रुख के बजाय राजनीतिक दबाव के आगे झुकना माना। बाद के संशोधन मूल मुद्दों को हल करने में विफल रहे और कई मामलों में, मूल सिफारिशों की अखंडता से समझौता किया। आज की स्थिति के अनुसार, पश्चिमी घाट को ईएसए के रूप में अधिसूचित करना एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है। नवीनतम मसौदा, जो जाहिर तौर पर वायनाड भूस्खलन की प्रतिक्रिया है, एक गहरी समस्या को संबोधित करने के लिए एक सतही प्रयास को दर्शाता है। भूस्खलन स्वयं इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाले व्यापक पर्यावरणीय संकट के लक्षण हैं – वनों की कटाई, असंवहनीय कृषि पद्धतियों और अनियंत्रित शहरीकरण से संकट और भी बढ़ गया है। केवल एक नया मसौदा अधिसूचना जारी करने से इन अंतर्निहित मुद्दों का समाधान नहीं होता है। इसके बजाय, इसे एक प्रदर्शनकारी इशारे के रूप में देखे जाने का जोखिम है जो पर्यावरण शासन में प्रणालीगत विफलताओं को संबोधित करने में विफल रहता है। गाडगिल समिति की सिफारिशों को पूरी तरह से लागू करने में अनिच्छा के दूरगामी परिणाम हुए हैं। इसका मतलब यह हुआ कि अतिक्रमण और अनियमित निर्माण सहित अवैध गतिविधियां संवेदनशील क्षेत्रों में बेरोकटोक जारी रहीं। कुछ राज्य सरकारों द्वारा उल्लंघनकर्ताओं को दिया गया संरक्षण, जो अक्सर चुनावी लाभ और आर्थिक प्रोत्साहन से प्रेरित होता है, ने वास्तविक संरक्षण प्रयासों को कमजोर कर दिया है। इससे ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि माधव गाडगिल जैसे पर्यावरणविद, जो मजबूत सुरक्षात्मक उपायों की वकालत करते हैं, अक्सर यथास्थिति से लाभ उठाने वालों द्वारा बदनाम किये जाते हैं और उन्हें बाधा डालने वाले या यहां तक कि पारिस्थितिकी आतंकवादी करार दिया जाता है। वायनाड के भूस्खलन के संदर्भ में, असली सवाल यह है कि क्या नवीनतम मसौदा अधिसूचना से सार्थक बदलाव आयेगा या यह केवल एक और रणनीति के रूप में ही काम करेगा। वायनाड में देखी गई तबाही एक अलग घटना नहीं थी, बल्कि पर्यावरण क्षरण के व्यापक पैटर्न का हिस्सा थी जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया है या अपर्याप्त रूप से संबोधित किया गया है। मसौदा अधिसूचनाएं जारी करने का बार–बार चक्र, उसके बाद संशोधन और रुकावट, पर्यावरण क्षरण को संबोधित करने के लिए वास्तविक प्रतिबद्धता की कमी को दर्शाता है। पश्चिमी घाट को प्रभावित करने वाले पर्यावरणीय संकटों के असली कारणों की पहचान करना आवश्यक है। पश्चिमी घाट में पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए केवल अधिसूचना जारी करने से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए पर्यावरणीय नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन के तरीके में मूलभूत बदलाव की आवश्यकता है।

अनन्या पांडे की फिल्म सीटीआरएल की रिलीज डेट का ऐलान, जानिए कब किस ओटीटी प्लेटफार्म पर होगी स्ट्रीम

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे अपने आगामी प्रोजेक्ट 'सीटीआरएल' को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म 'सीटीआरएल' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। यह फिल्म 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर आयेगी। जानकारी के अनुसार, अनन्या पांडे 'सीटीआरएल' में एक कंटेंट क्रिएटर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है और इसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है।

नेटफ्लिक्स के साथ अनन्या पांडे का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है। अनन्या ने फिल्म के बारे में कहा, सीटीआरएल एक आकर्षक प्रभावशाली फिल्म है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या वास्तव में आपका जीवन आपके अपने नियंत्रण में होता है। मेरा मानना घ्है कि यह फिल्म सभी के लिए है, क्योंकि टेक्नॉलॉजी में तेजी से इजाफा हो रहा है और इस पर हमारी निर्भरता भी बढ़ती जा रही है।निर्देशक विक्रमादित्य मोटवाने का मानना है कि हम अपने डिवाइस पर जितना समय बिताते हैं, उस हिसाब से स्क्रीन टाइम अब स्क्रीन लाइफ हो गया है। विक्रमादित्य ने कहा, सवाल यह है कि क्या वास्तव में हम अपने जीवन के सभी डिजिटल एक्सटेंशन को नियंत्रण कर रहे हैं, या हमें नियंत्रित किया जा रहा है? यही कारण है कि इसका जवाब 'सीटीआरएल' के जरिए तलाशा जा रहा है। इस तरह के नए युग की अवधारणा के लिए, हमें न केवल ऐसे कलाकारों की जरूरत थी जो इस तरह का जीवन जीते हों, बल्कि नेटफ्लिक्स जैसा प्लेटफॉर्म भी चाहिए था, जो लोगों के बीच लोकप्रिय है। प्रोड्यूसर निखिल द्विवेदी ने फिल्म 'सीटीआरएल' को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, "विक्रम मोटवाने की मदद से 'सीटीआरएल' एक अनोखे प्रारूप में कहानी को सामने

> अनन्या पांडे 'सीटीआरएल' में एक कंटेंट क्रिएटर की भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है और इसका निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी ने किया है। नेटफ्लिक्स के साथ अनन्या पांडे का यह दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले उनकी फिल्म 'खो गए हम कहां' नेटफ्लिक्स पर आ चुकी है।

लाता है, जो इस फिल्म के हर फ्रेम में दिखाई देगा। चाहे वह स्क्रीन पर कास्ट हो या फिर पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी कलाकार पूरी टीम इस दुनिया को जीवंत करने को लेकर उत्साह से भरी हुई थी। सैफ्रॉन और आंदोलन फिल्म्स द्वारा निर्मित 'सीटीआरएल' का प्रीमियर 4 अक्टूबर को नेटफ्लिक्स पर होगा। 'सीटीआरएल' में अनन्या पांडे के साथ विहान समत मुख्य किरदार में हैं। वे सोशल मीडिया पर एक रोमांटिक कंटेंट क्रिएटर कपल की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म वर्तमान समय में तकनीक पर निर्भरता और डिजिटल क्रांति पर सवाल उठाती है।

मैं जवान थी और अकेले रहती थी, महेश भट्ट संग अफेयर पर एक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने सालों बाद तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने अपनी डेब्यू फिल्म आशिकी से फिल्म इंडस्ट्री में धमाल मचा दिया था। इस फिल्म में उन्होंने अभिनेता राहुल रॉय के साथ काम किया था। आशिकी बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी और इसे महेश भट्ट ने डायरेक्ट किया था। बॉलीवुड की गलियारों में बातें होने लगी कि एक्ट्रेस अफेयर चल रहा है। एक्ट्रेस ने 34 साल बाद पहली बार इसको लेकर बात की है। बता दें, एक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया है कि महेश भट्ट उन्हें बहुत पसंद करते थे और वे सभी सीन एक ही टेक में कर देती थीं। वह उनकी एक्टिंग और टैलेंट से काफी प्रभावित थे और उनकी काफी तारीफ करते थे। हालांकि, महेश भट्ट की तारीफ कुछ लोगों को पसंद नहीं आई और इस वजह से उनके और महेश भट्ट के रिश्ते पर सवाल उठाए जाने लगे। उन्होंने कहा,'ये गलत है, मेरा महेश भट्ट के साथ कोई रिश्ता नहीं था, आगे बताया– मैं जवान थी और मुंबई में अकेले रहती थी। मेरे माता–पिता नहीं थे और मैं एक मॉडल थी। लोगों ने उन्हें वन टेक गर्ल कहकर चिढ़ाना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने उनके रिश्ते को लेकर अफवाहें उड़ाईं। इन सब बातों को नजरअंदाज करते हुए अपने काम पर ध्यान दिया। एक्ट्रेस ने आगे कहा –इतना ही नहीं, उन्हें रंग के कारण भी इंडस्ट्री में काम पाने में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वे लंबी और सांवली थीं, जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि, वे उस समय काफी बोल्ड भी थीं। आगे उन्होंने बताया कि उनके पास बहुत एटीट्यूड था, वे दूसरी लड़कियों की तरह शर्मीली नहीं थीं। वे लड़कों के साथ बैठकर सिगरेट भी पीती थीं और सीधी नजर से बात करती थीं।

अपनी अपकमिंग फिल्म ग्यारह ग्यारह को लेकर धैर्य करवा ने कही ये बात!

जल्द रिलीज होने जा रही ग्यारह ग्यारह के लिए फैंस खूब एक्साइटेड हैं। फिल्म ओटीटी प्लैटफॉर्म जी5 पर रिलीज होने जा रही है। ऐसे में फिल्म के लीड एक्टर ने फिल्म से जुड़ी कुछ खआस बाते शएयर की। जी हां, फिल्म में शौर्य अंथवाल का रोल प्ले करने वाले एक्टर धैर्य करवा का कहना है कि, ग्यारह ग्यारह की यूएसपी इसकी अनूठी कहानी और अवधारणा है। विज्ञान कथा, समय–समारोह, रोमांच और ड्रामा का यह विशिष्ट मिश्रण खासकर हिंदी सिनेमा में असामान्य और दुर्लभ है। यही सभी कारण हैं जिनकी वजह से दर्शकों को ग्यारह ग्यारह देखने में समय लगाना चाहिए। यह एक संपूर्ण मनोरंजन पैकेज है। यह 9 अगस्त को ZEE5 पर रिलीज हो रही है, और आपको इसे देखने में समय अवश्य देना चाहिए। रहस्यमय वॉकी–टॉकी कथानक का केंद्रीय तत्व है। युगों के बीच की किसी भी जानकारी का आदान–प्रदान एक तितली प्रभाव की तरह होता है, जो चीजों को बेहतर या बदतर के लिए बदल देता है। खासकर, शौर्य के जीवन और यात्रा में इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है, और वह जिन परिस्थितियों का सामना करता है और जिन अनुभवों से गुजरता है, वे उसे एक व्यक्ति के रूप में ढालते और आकार देते हैं। आपको जी5 पर ग्यारह ग्यारह देखना होगा कि यह सब कैसे सामने आता है। ऐसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस के साथ जुड़ना एक सपना सच होने जैसा है। मैं करण जौहर और गुनीत मोंगा कपूर के साथ जुड़कर आभारी और गर्वित महसूस करता हूं। करण जौहर एक प्रतिष्ठित फिल्म निर्माता और निर्माता हैं, जिनकी फिल्मोग्राफी बहुत ही प्रशंसनीय है, और गुनीत एक एकेडमी अवॉर्ड विजेता हैं। उनके द्वारा निर्मित उत्कृष्ट फिल्मों के कारण उनके साथ जुड़ना गर्व और आनंद की अनुभूति है।

दूसरी बार हनीमून पर गई आरती सिंह, पति के साथ शेयर की बेहद क्यूट फोटोज

फेमस टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह ने बिजनेसमैन दीपक चौहान के साथ कुछ महीनों पहले शादी की थी, और तब से अब तक आरती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बहुत सी फोटोज और वीडियोस शेयर की हैं। शादी के बाद वह हनीमून पर भी गए थे जिसकी तस्वीरें काफी वायरल भी हुई थीं। इसी बीच अब एक बार फिर ये कपल दूसरी बार हनीमून का आनंद ले रहा है। हाल ही में, आरती और दीपक विदेश में रोमांटिक पल बिताते हुए नजर आए। उन्होंने अपनी यात्रा की कई खूबसूरत तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में, आरती सिंह और दीपक चौहान एक–दूसरे के साथ समय बिताते हुए और प्यार भरे क्षण साझा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। एक फोटो में आरती, दीपक की गोद में बैठी हुई और मुस्कुराते हुए पोज देती नजर आ रही हैं। एक अन्य तस्वीर में, यह कपल काजोल और शाहरुख खान की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' के पोस्टर के सामने पोज करता दिखाई दे रहा है। एक और रोमांटिक फोटो में आरती और दीपक एक–दूसरे को लिपलॉक करते हुए देखे जा सकते हैं। इस जोड़ी की केमिस्ट्री फैंस को बहुत पसंद आ रही है। तस्वीरों को शेयर करते हुए, आरती ने दीपक के लिए एक विशेष नोट लिखा, जिसमें उन्होंने कहा, "मेरे हमेशा के सबसे अच्छे दोस्त को हैप्पी फ्रेंडशिप डे३ मेरे बचपन को लौटाने के लिए धन्यवाद३ मैं आपके आस–पास एक बच्चे की तरह महसूस करती हूं। मुझे तुमसे प्यार है। इससे पहले, आरती और दीपक को एफिल टावर के सामने भी लिप किस करते हुए देखा गया था, जो उनके रोमांस को और भी खास बना देता है।

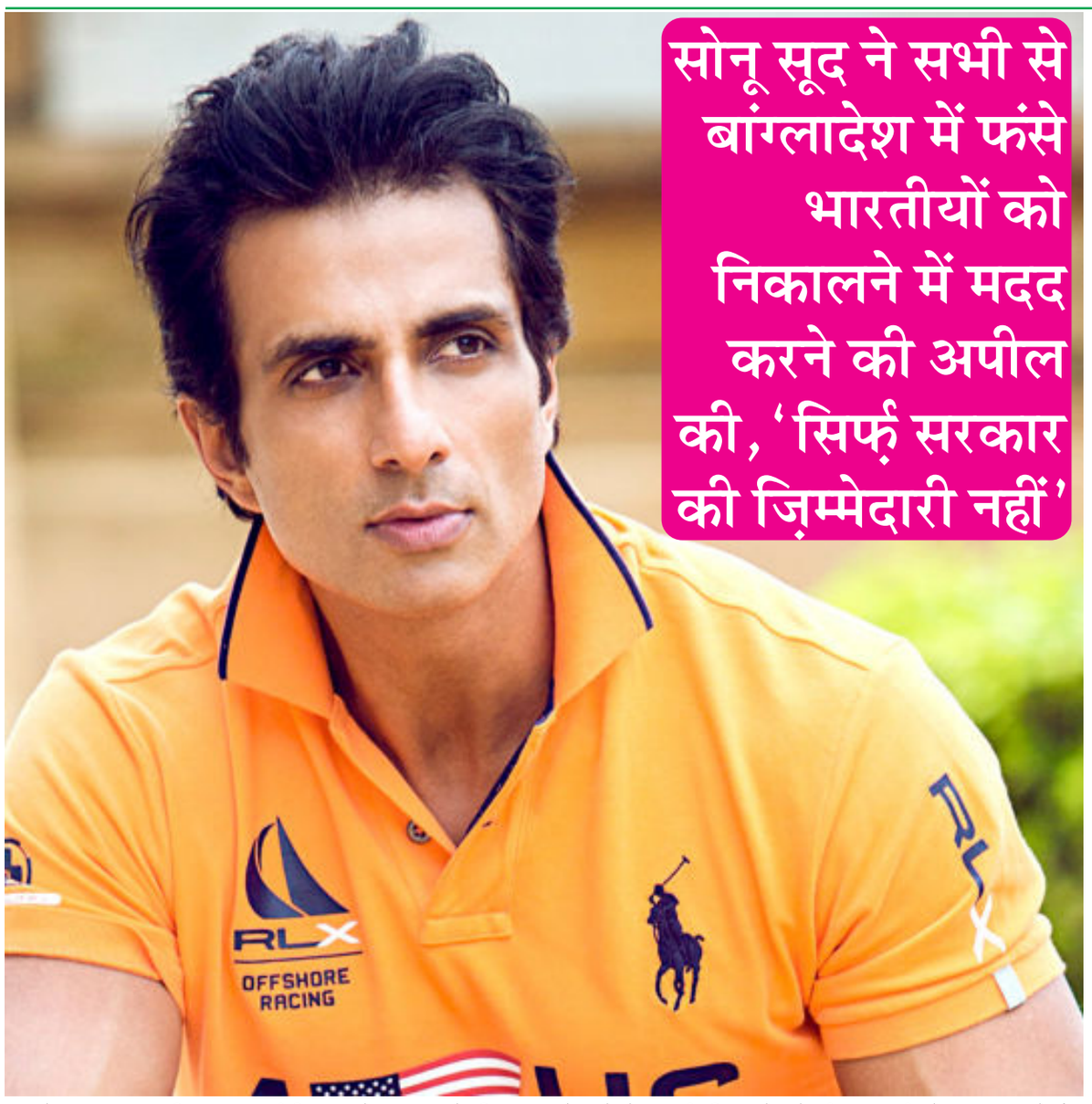

सोनू सूद ने सभी से बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को निकालने में मदद करने की अपील की, 'सिर्फ़ सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं'

सोनू सूद सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार साझा करने के लिए जाने जाते हैं। अपने धर्मार्थ कार्यों के अलावा, अभिनेता अपने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर समाज के बारे में अपनी चिंताओं को भी आसानी से व्यक्त करते हैं। हाल ही में, सोनू ने ट्विटर पर भारत के नागरिकों से बांग्लादेश में फंसे भारतीयों को निकालने में मदद करने की अपील की। यह तब हुआ जब बांग्लादेश की नेता शेख हसीना सोमवार को व्यापक हिंसा के बीच एक सैन्य विमान में देश छोड़कर भाग गईं।

सोनू सूद ने लोगों से बांग्लादेश में फंसे भारतीयों की मदद करने की अपील की

सोनू ने एक पोस्ट ट्वीट की जिसमें एक भारतीय महिला का वीडियो शेयर किया गया जिसमें वह अपना दर्द बयां कर रही थी और बता रही थी कि बांग्लादेश में उसके जैसे भारतीयों की ज़िंदगी किस तरह ख़तरे में है। उसने भारत लौटने की इच्छा भी जताई। अभिनेता ने अपने ट्वीट को कैप्शन दिया, ष्हमें बांग्लादेश से अपने सभी भारतीयों को वापस लाने की पूरी कोशिश करनी चाहिए, ताकि उन्हें यहाँ एक अच्छी ज़िंदगी मिल सके। यह सिर्फ़ हमारी सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रही है, बल्कि हम सभी की भी है। जय हिंद (तिरंगा इमोजी)।

सोनम कपूर ने बांग्लादेश में मौतों पर अपनी प्रतिक्रिया दी

इससे पहले, 5 अगस्त को, सोनम कपूर ने बांग्लादेश में बढ़ती मौतों पर चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर द जुगनौंट द्वारा एक आईजी पोस्ट साझा की, जिसमें बताया गया था कि कैसे झड़पों के बीच एक ही दिन में 66 लोगों की मौत हो गई थी। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट को कैप्शन दिया, ष्यह भयानक है। आइए हम सभी बांग्लादेशी लोगों के लिए प्रार्थना करें। सोमवार को, देश भर में हिंसा की लहर में कम से कम 91 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हो गए। पुलिस ने आंसू गैस और रबर की गोलियों का इस्तेमाल करके हज़ारों प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर किया। रविवार शाम से पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया गया है, रेलवे सेवाएँ निलंबित कर दी गई हैं और देश का बड़ा कपड़ा उद्योग बंद हो गया है। शेख हसीना नई दिल्ली के पास गाजियाबाद के हिंडन एयरबेस पर उतरीं। 76 वर्षीय शेख हसीना बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की बेटी हैं। बांग्लादेश में हाल ही में हुए नाटकीय घटनाक्रम ने हसीना के सत्ता में 15 साल के कार्यकाल को समाप्त कर दिया है।

इस पीले फूल के बीज में छिपा है सेहत का खजाना, शरीर को मिलेंगे कमाल के फायदे

सूरजमुखी के बीज एक पौष्टिक स्नैक हैं जो आपके आहार में आवश्यक विटामिन और खनिज जोड़ सकते हैं। इनका नियमित सेवन विभिन्न स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है। इन्हें खाने से निम्नलिखित विटामिन और पोषक तत्व मिलते हैं। चलिए जानते हैं इसे किस तरह अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

सूरजमुखी के बीज खाने के लाभ

हृदय स्वास्थ्यः सूरजमुखी के बीज में फाइटोस्टेरोल्स और हेल्दी फैट्स (जैसे मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसैचुरेटेड फैट्स) होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम कर सकते हैं और हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकते हैं।

वजन प्रबंधनः फाइबर और प्रोटीन की उच्च मात्रा भूख को कम करने में मदद करती है और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराती है।

त्वचा और बालों का स्वास्थ्यः विटामिन ई और एंटीऑक्सिडेंट्स त्वचा को हाइड्रेटेड और स्वस्थ रखते हैं, और बालों को मजबूत और चमकदार बनाते हैं।

हड्डियों का स्वास्थ्यः मैग्नीशियम, कैल्शियम, और अन्य खनिज हड्डियों को मजबूत करते हैं और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी स्थितियों से बचाव करते हैं।

पाचन सुधारः फाइबर पाचन स्वास्थ्य को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनानाः सेलेनियम और अन्य विटामिन प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं, जिससे बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है।

सूरजमुखी के बीज खाने के तरीके

– आप सूरजमुखी के बीज को सीधे खा सकते हैं। इन्हें हल्का भूनकर खाने से इनका स्वाद और भी बेहतर हो जाता है।

– सलाद में क्रंच और न्यूट्रिशन जोड़ने के लिए आप सूरजमुखी के बीज डाल सकते हैं।

– स्मूदीज में सूरजमुखी के बीज डालकर उन्हें और पौष्टिक बना सकते हैं।

– अपने ब्रेकफास्ट सीरियल या ओट्स में सूरजमुखी के बीज मिलाकर खा सकते हैं।

– योगर्ट के ऊपर सूरजमुखी के बीज डालकर स्नैक या डेजर्ट के रूप में खा सकते हैं।

– बेक्ड गुड्स जैसे ब्रेड, मफिन्स, और कुकीज में सूरजमुखी के बीज का उपयोग कर सकते हैं।

हरियाली तीज, घर बनाएं स्वादिष्ट नारियल की खीर, नोट करें रेसिपी

सावन की हरियाली तीज का त्योहार 7 अगस्त 2024 यानी कल है। यह त्योहार महिलाओं के लिए सबसे स्पेशल होता है। महिलाएं इस त्योहार के लिए काफी समय से तैयारी करती हैं। इस दिन साज श्रृंगार के अलावा महिलाएं अलग–अलग तरह की टेस्टी डिशेज बनाई जाती है। तीज के दिन घर में मीठा बनाना काफी शुभ होता है। हरियाली तीज के दिन आप भी घर में नारियल की खीर बना सकते हैं। यहां पर नारियल की खीर बनाने का तरीका बता रहे हैं। आइए जानते हैं इसकी रेसिपी।

नारियल की खीर बनाने के लिए सामग्री

– 100 ग्राम चावल
– 3 टिन नारियल का दूध
– 1 टिन मिल्कमेड
– 200 ग्राम खोया
– 1 चम्मच सौंफ पाउडर
– 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
– 1 छोटा चम्मच दालचीनी पाउडर
– कुछ केसर के रेशे
– एक मुट्ठी पिस्ता, अखरोट
– स्वादानुसार चीनी या गुड़

नारियल की खीर बनाने की विधि

– सबसे पहले चावल को करीब 15 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद नारियल का दूध, मिल्कमेड, चीनी, केसर और खोया को मिलाएं। इसे मिक्स कर लें और बाद में दालचीनी, इलायची और सौंफ पाउडर डालकर उबाल लें।

– जब दूध पक जाएं तो उसमें चावल डाल दें। अब इसे ठंडा होने के लिए रख दें।

– अब पैन में घी डालें और उसमें पिस्ता और अखरोट डालें, दोनों को सेक कर एक तरफ रख लें। –जब ये दोनों चीजें ठंडी तो मेवा को दरदरा पीस लें।

– फिर खीर में इस पाउडर को मिलाएं और सर्व करें।

16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए ठीक नहीं सोशल मीडिया, एक नहीं इसके हैं कई साइड इफेक्ट्स

हाल ही में कई राजनेताओं ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के आह्वान का समर्थन किया है। वर्तमान में, ऑस्ट्रेलिया में 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। शोध बताते हैं कि सोशल मीडिया कुछ युवाओं के लिए मददगार हो सकता है, उदाहरण के लिए उन्हें समान विचारधारा वाले साथियों से जोड़ने के संबंध में। हालांकि सोशल मीडिया के इस्तेमाल की उम्र बढ़ाने के बारे में किए गए इस प्रस्तावित परिवर्तन के कई कारण हैं। सबसे महत्वपूर्ण कारण स्क्रीन समय और सोशल मीडिया के उपयोग से बच्चों और युवाओं में अवसाद और चिंता सहित खराब मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

सोशल मीडिया से होता है ये नुकसान

सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग या दुरुपयोग मनोवैज्ञानिक भलाई के कई क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा सकता है। जैसे–जैसे आप वयस्कता की ओर बढ़ते हैं, आप तय करते हैं कि आप कौन हैं, आप क्या बनना चाहते हैं, आप किन अंतर्निहित मूल्यों के लिए खड़े हैं और आप जीवन से क्या चाहते हैं। लेकिन क्या सोशल मीडिया इस प्रक्रिया को खतरे में डाल सकता है? एक पहचान विकसित करना लगभग 11 से 15 वर्ष की आयु के बीच, मानव मस्तिष्क साथियों के ध्यान और प्रतिक्रिया के प्रति तेजी से संवेदनशील हो जाता है।

युवा लोग सोशल मीडिया पर हो रहे हैं प्रभावित

परिप्रेक्ष्य, निर्णय, आलोचनात्मक सोच और आत्म–नियंत्रण विकसित करने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से किसी व्यक्ति के शुरुआती 20 वर्ष की आयु तक पूरी तरह से परिपक्व नहीं होते। किशोर हमेशा अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। वे साथियों से मान्यता चाहते हैं क्योंकि वे अपने मूल्यों का पता लगाते हैं, अपने व्यक्तित्व का विकास करते हैं और खुद को अभिव्यक्त करना चाहते हैं। लेकिन सोशल मीडिया ने किशोरों के लिए एक मंच प्रदान किया है – विशेष रूप से वे जो एफओएमओ में उच्च हैं, या अलग–थलग हो जाने का डर रखते हैं–इस बात पर ध्यान देने के लिए कि वे कई अन्य लोगों से तुलना कैसे करते हैं, जिनमें नामी प्रभावक भी शामिल हैं। युवा लोग सोशल मीडिया पर जो देखते हैं उसके आधार पर अपनी कई तरह की राय विकसित कर रहे हैं। किसी व्यक्ति की अन्य लोगों की राय के अनुरूप होने की प्रवृत्ति को कभी–कभी बैंडवैगन प्रभाव कहा जाता है। जबकि सोशल मीडिया की बहुत सारी सामग्री काफी हद तक हानिरहित हो सकती है, सोशल मीडिया–वास्तविक दुनिया की तरह–तेजी से राजनीतिक और ध्रुवीकृत होता जा रहा है, जिसमें विरोधी विचारों के प्रति बहुत कम सहनशीलता है।

सोशल मीडिया के आधार पर बनाई जाती है राय

अधिकांश लोग सार्वजनिक रूप से या किसी अज्ञात लोगों के समूह में अपनी वास्तविक राय या मूल्यों को अपने तक ही सीमित रखने को महत्व दे सकते हैं। एक बार जब हम आश्वस्त हो जाते हैं कि हमारे बोलने के तरीके और अंतर्निहित मूल्य प्रणालियों को गलत नहीं समझा जाएगा, तो हम धीरे–धीरे खुद को प्रकट करना शुरू कर देते हैं।आजकल हम किशोरों की पूरे जीवन की किताब सार्वजनिक मंच पर खुली देखते हैं, जिससे स्व चिंतन जैसा विचार अनिवार्य रूप से पीछे छूट जाता है। वे न केवल सोशल मीडिया पर जो देखते हैं उसके आधार पर अपनी कई राय विकसित कर रहे हैं, बल्कि वे अक्सर उन्हें तुरंत ऑनलाइन प्रसारित भी करते हैं। बाद में, उन्हें इन विचारों का बचाव करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

किशोरावस्था के लिए हानिकारक हो सकता है सोशल मीडिया

24/7 आभासी दुनिया में, आज के किशोरों के लिए ऑनलाइन जो कुछ भी देख रहे हैं उसके बारे में गंभीर रूप से सोचने, आत्म–चिंतन करने, अन्वेषण करने और अपना मन बदलने का अवसर कम है। अपनी पहचान बनाने के लिए गलतियां करने, सीमाओं का परीक्षण करने, विचारों का पता लगाने और जानकारी का विश्लेषण करने की बहुत कम गुंजाइश है। ये चिंताएं उन कारणों में से हैं जिनके कारण कई चिकित्सा विशेषज्ञ, माता–पिता और राजनेता समान रूप से बच्चों के लिए सोशल मीडिया तक पहुंच को सीमित करना चाहते हैं। जबकि सोशल मीडिया 16 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए हानिकारक हो सकता है, किशोरावस्था का पहला भाग एक बढ़ते बच्चे की पहचान और आत्म–मूल्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण समय है। शोध से पता चला है कि किशोरावस्था में पहचान में गड़बड़ी – अनिवार्य रूप से स्वयं की अस्थिर भावना–वयस्कता में व्यक्तित्व विकारों का एक बड़ा कारण बन सकती है। हम अभी तक पूरी तरह से नहीं समझ पाए हैं कि सोशल मीडिया पर जीवन पहचान विकसित करने में क्या भूमिका निभाता है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि हम इस क्षेत्र का पता लगाना जारी रखें।

आयरन की कमी को दूर करेंगे ये 5 जूस, डाइट में शामिल करें

शरीर के लिए आयरन बेहद जरुरी है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन का मात्रा को बढ़ाता है, जिससे ब्लड में ऑक्सीजन का प्रवाह बेहतर तरीके से करता है। अगर शरीर में पर्याप्त आयरन नहीं होगा तो खून नहीं बनेंगा, जिसके चलते शरीर में कमजोरी भी आ जाती है। स्वस्थ शरीर के लिए ही हीमोग्लोबिन सही मात्रा में होना जरुरी है। ऐसे में शरीर में आयरन की मात्रा को बढ़ाने के लिए डाइट में इन जूस को जरुर शमिल करें।

ऑरेंज जूस

शरीर में आयरन की कमी को दूर करता है ऑरेंज जूस। ऑरेंज जूस के सेवन से शरीर इम्यूनिटी भी मजबूत होती है। संतरे का जूस आप घर पर भी बना सकते हैं। ऑरेंज जूस पीने से शरीर की इम्यूनिटी भी स्ट्रांग होती है। इसके लिए आप 3 संतरा लें और इसका जूस निकालकर इसमें काला नमक और पुदीना मिलाकर पी लें।

मिक्स वेज जूस

आयरन के लिए मिक्स वेज जूस का बना सकते हैं। सब्जियों शरीर में फाइबर और विटामिन–सी का मात्रा पूरा करता है। जूस बनाने के लिए आंवला, लौकी और शहद डालकर पीस लें। फिर इसमें बर्फ के टुकड़े को मिलाकर पी लें। यह सेहत के लिए काफी हेल्दी है। इसके पीने से आयरन काफी तेज बढ़ेगा।

पालक और पुदीने के जूस

पालक और पुदीना बेहद हेल्दी होता है। पालक और पुदीने का जूस शरीर में आयरन की मात्रा को बढाने का काम करता है। यह जूस सुबह खाली पेट पीने से शरीर के लिए फायदेमंद है। पालक और पुदीना के जूस में विटामिन ए और विटामिन सी जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो वजन को कम करने के लिए मदद करता है।

चुकंदर का जूस

आयरन बढ़ाने के लिए चुकंदर का जूस पीने से शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ती है। इसके साथ ही चुकंदर फोलेट, मैंग्नीज, पोटैशियम और विटामिन–सी जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

हलीम ड्रिंक

हलीम ड्रिंक का सेवन करने से आयरन की कमी दूर होती है। इसके साथ ही, इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर की एनर्जी को बढ़ाने में मदद करता है।

दिल्ली की भागदौड़ से जल्दी छुटकारा, फ्राइडे जाकर सडे वापस आएं

दिल्ली में रहना, जहाँ हमेशा भागदौड़ रहती है, थका देने वाला हो सकता है। सौभाग्य से, यहाँ कई शांत और मनोरम वीकेंड गेटअवे हैं जो शहर की अराजकता से बचने का एक बेहतरीन विकल्प हैं। ये गंतव्य दिल्ली से बहुत दूर नहीं हैं। बल्कि 2–3 दिन में आप यहां पर जाकर शांति से रह सकते हैं। फ्राइडे नाइट जाकर और संडे वापस आ सकते हैं।

जयपुर

ऐसी ही एक जगह है जयपुर, जिसे गुलाबी शहर के नाम से भी जाना जाता है। दिल्ली से लगभग 280 किलोमीटर दूर स्थित जयपुर इतिहास, संस्कृति और वास्तुकला का खजाना है। यह शहर अपने राजसी किलों और महलों, जैसे कि अंबर किला, सिटी पैलेस और हवा महल के लिए प्रसिद्ध है। जयपुर की यात्रा शाही विरासत और जीवंत स्थानीय बाजारों का मिश्रण प्रदान करती है, जहाँ आप पारंपरिक राजस्थानी शिल्प और वस्त्रों की खरीदारी कर सकते हैं। शहर का समृद्ध इतिहास और रंगीन वातावरण इसे एक बेहतरीन वीकेंड गेटअवे बनाता है।

आगरा

एक और शानदार विकल्प आगरा है, जहाँ प्रतिष्ठित ताजमहल स्थित है। दिल्ली से लगभग 230 किलोमीटर दूर स्थित आगरा मुगल इतिहास से भरा शहर है। दुनिया के सात अजूबों में से एक ताजमहल अपनी लुभावनी सुंदरता और वास्तुकला की चमक के लिए ज़रूर जाना चाहिए। ताजमहल के अलावा, आगरा में आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे अन्य ऐतिहासिक चमत्कार भी हैं। आगरा की यात्रा भारत के समृद्ध इतिहास को जानने और इसके कुछ सबसे शानदार स्मारकों को देखने का मौका देती है।

जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क

जो लोग ज़्यादा शांत और प्रकृति–केंद्रित छुट्टी पसंद करते हैं, उनके लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है। दिल्ली से लगभग 250 किलोमीटर दूर स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान वन्यजीव उत्साही और प्रकृति प्रेमियों के लिए एक स्वर्ग है। यह पार्क राजसी बंगाल टाइगर सहित वनस्पतियों और जीवों की विविध प्रजातियों का घर है। आगंतुक रोमांचकारी जीप सफारी पर जा सकते हैं, पार्क के हरे–भरे जंगलों की खोज कर सकते हैं और रामगंगा नदी की शांत सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क प्रकृति के बीच रोमांच और विश्राम का एक आदर्श मिश्रण प्रदान करता है। अंत में, ये वीकेंड गेटअवे दिल्ली की व्यस्त जिंदगी से एक ताज़गी भरा ब्रेक देते हैं। चाहे आप जयपुर की शाही विरासत को देखना चाहें, आगरा की वास्तुकला के अजूबों को देखना चाहें या जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की प्राकृतिक खूबसूरती में डूब जाना चाहें, हर जगह एक अनोखा और यादगार अनुभव देने का वादा करता है। तो, अपना बैग पैक करें और शहर की हलचल को पीछे छोड़कर कुछ दिनों के लिए शांति और रोमांच के लिए आराम और तरोताजा होने के लिए एक त्वरित यात्रा पर निकल पड़ें।

अमृतसर

अमृतसर पंजाब के मध्य में एक प्रमुख वाणिज्यिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह शहर सिख धर्म का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है और हरमंदिर साहिब का घर है, जिसे स्वर्ण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। वाघा सीमा भी है जहा परेड होगी है। साथ ही खाने की काफी अच्छी चीजें हैं। यहां की हरियाली खेल खलिहान आपका मन मोह लेगी।919 में अमृतसर नरसंहार के स्थल जलियांवाला बाग भी यहीं पर हैं।

भारत को बड़ा झटका, विनेश फोगाट अयोग्य घोषित, नहीं खेल पाएंगी कुश्ती का फाइनल मुकाबला

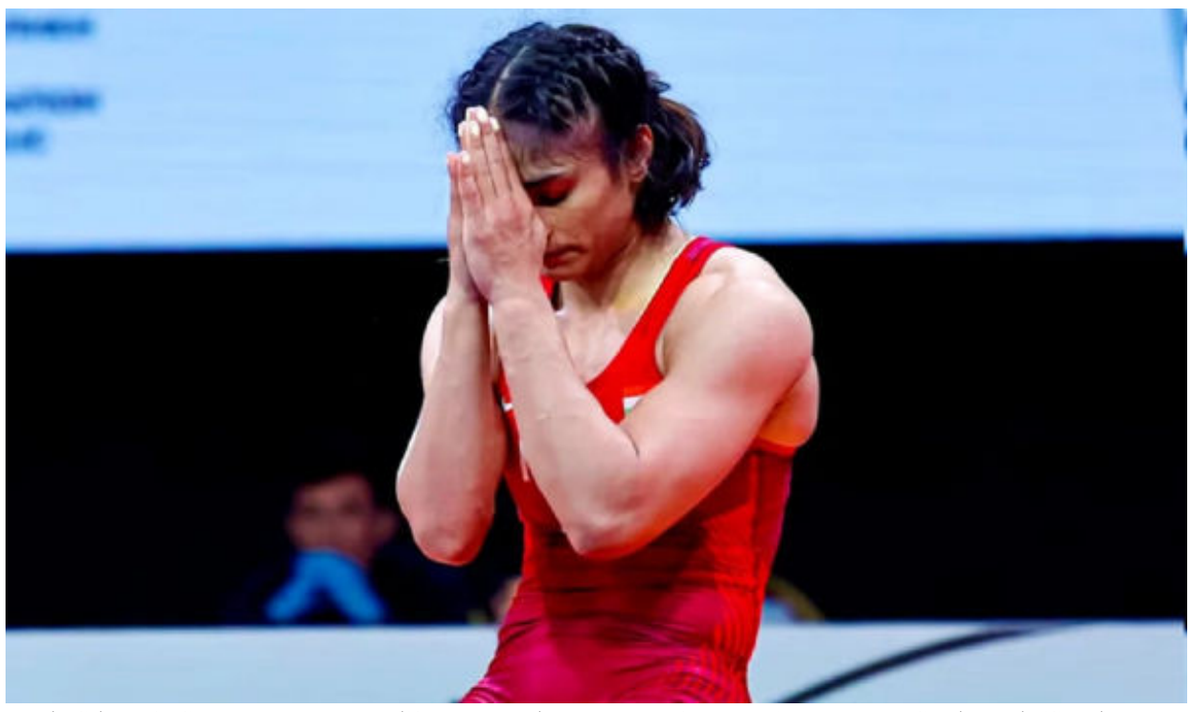

संघ ने बताया कि इस समय दल द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी। भारतीय टीम आपसे विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती है। यह मौजूदा प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा।

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट को अधिक वजन के कारण महिला कुश्ती 50 किग्रा से अयोग्य घोषित कर दिया गया। भारतीय ओलंपिक संघ ने कहा कि यह खेद के साथ है कि भारतीय दल महिला कुश्ती 50 किग्रा वर्ग से विनेश फोगट की अयोग्यता की खबर साझा कर रहा है। रात भर टीम के सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, आज सुबह उसका वजन कुछ ग्राम 50 किलोग्राम से अधिक हो गया। संघ ने बताया कि इस समय दल द्वारा कोई और टिप्पणी नहीं की जाएगी। भारतीय टीम आपसे विनेश की निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती है। यह मौजूदा प्रतियोगिताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहेगा। इससे पहले कुछ महीने पहले तक व्यवस्था के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष कर रही विनेश फोगाट कुश्ती के मैट पर भी जीवट और जुझारूपन की नयी कहानी लिखते हुए ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गई थीं। हरियाणा की 29 वर्ष की विनेश ने क्यूबा की युसनेलिस गुजमैन लोपेज को 5.0 से हराकर पेरिस ओलंपिक में महिला कुश्ती स्पर्धा के 50 किलोवर्ग में स्वर्ण पदक जीतने की ओर कदम रख दिया। विनेश रियो ओलंपिक में चोटिल होकर स्ट्रेचर पर बाहर हुई थी और तोक्यो ओलंपिक में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था। उन्होंने जीत के बाद कहा ,'' कल का दिन महत्वपूर्ण है। उसके बाद बात करेंगे।'' इससे पहले उन्होंने बड़ा उलटफेर करते हुए अब तक अपराजेय मौजूदा चौम्पियन युई सुसाकी को शिकस्त देने के बाद यूक्रेन की ओक्साना लिवाच को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। इसी लय को कायम रखते हुए उन्होंने लोपेज को 5–0 के अंतर से शिकस्त देकर फाइनल का टिकट कटाया।

संक्षिप्त

SBI के दिनेश खारा के उत्तराधिकारी बनेंगे चल्ला श्रीनीवासुलु शेट्टी

केंद्र सरकार ने चल्ला श्रीनीवासुलु शेट्टी (सीएस शेट्टी) को देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का चेयरमैन नियुक्त किया है। सीएस शेट्टी का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। वर्तमान में वो एसबीआई के वरिष्ठ एमडी है। सीएस शेट्टी वर्तमान अध्यक्ष दिनेश खारा की जगह लेंगे, जो की 28 अगस्त को अपने पद से सेवानिवृत्त हो रहे है। 3 जुलाई को, केंद्र सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय, वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो (एफएसआईबी) ने शेट्टी को अध्यक्ष पद के लिए अनुशंसित किया। शेट्टी, जो वर्तमान में एसबीआई के प्रबंध निदेशकों में से एक हैं, को एफएसआईबी की सिफारिश के आधार पर इस पद के लिए चुना गया था। शेट्टी के पास कृषि में विज्ञान स्नातक की डिग्री है और वे भारतीय बैंकर्स संस्थान के प्रमाणित एसोसिएट हैं। 2020 में प्रबंध निदेशक (एमडी) के रूप में अपनी नियुक्ति से पहले, शेट्टी ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। इन पदों में तनावग्रस्त परिसंपत्ति समाधान समूह के उप प्रबंध निदेशक, कॉर्पोरेट लेखा समूह में मुख्य महाप्रबंधक तथा एसबीआई की न्यूयॉर्क शाखा में उपाध्यक्ष और सिंडिकेशन प्रमुख शामिल थे। एमडी के रूप में, शेट्टी ने अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों को संभालने से पहले खुदरा और डिजिटल बैंकिंग क्षेत्रों का नेतृत्व करने पर ध्यान केंद्रित किया। जनवरी 2023 में एमडी के रूप में उनका कार्यकाल दो साल के लिए बढ़ा दिया गया। इसके अतिरिक्त, एसीसी ने वर्तमान में एसबीआई में उप प्रबंध निदेशक (डीएमडी) के रूप में कार्यरत राणा आशुतोष कुमार सिंह को बैंक में प्रबंध निदेशक (एमडी) के पदों में से एक पर नियुक्त करने को मंजूरी दी। यह नियुक्ति उनके पदभार ग्रहण करने की तिथि से शुरू होगी और उनकी सेवानिवृत्ति तक जारी रहेगी, जो 30 जून, 2027 निर्धारित है, या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो।

टमाटर की ऊंची कीमतों ने जुलाई में 11 प्रतिशत महंगी की शाकाहारी थाली

मुंबई। मासिक आधार पर टमाटर की कीमतों में उछाल आने से जुलाई के महीने में शाकाहारी थाली 11 प्रतिशत तक महंगी हो गई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2024 की तुलना में जुलाई में मांसाहारी थाली भी छह प्रतिशत महंगी हो गई है। रिपोर्ट कहती है कि रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद वाली शाकाहारी थाली की कीमत जुलाई 2024 में 32.6 रुपये प्रति प्लेट थी जबकि जून 2024 में इसकी दर 29.4 रुपये प्रति प्लेट थी। रिपोर्ट के मुताबिक, ''जून की तुलना में जुलाई महीने में शाकाहारी थाली की कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आना था। इसका शाकाहारी थाली की कीमत बढ़ोतरी में सात प्रतिशत योगदान रहा।'' मांसाहारी थाली की कीमत भी जुलाई के महीने में छह प्रतिशत बढ़कर 61.4 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि जून में इसकी कीमत 58 रुपये प्रति प्लेट थी। मांसाहारी थाली में अमूमन शाकाहारी थाली वाली सामग्री ही होती है लेकिन उसमें दाल की जगह चिकन होता है। हालांकि, सालाना आधार पर शाकाहारी थाली के दाम जुलाई में चार प्रतिशत घट गए। इसका मुख्य कारण टमाटर की कीमतों का उच्च आधार प्रभाव था। जुलाई 2023 में शाकाहारी थाली का दाम 34.1 रुपये प्रति प्लेट था। जुलाई 2024 में टमाटर की कीमत 66 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जो जुलाई 2023 के 110 रुपये प्रति किलोग्राम से कम है। पिछले साल जुलाई में टमाटर की ऊंची कीमतों के लिए उत्तरी राज्यों में अचानक आई बाढ़ और कर्नाटक में कीटों का प्रकोप जिम्मेदार था। हालांकि जुलाई 2024 में टमाटर की कीमत जून 2024 के 42 रुपये प्रति किलोग्राम से काफी अधिक रही। अधिक तापमान से कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में टमाटर की फसल पर असर पड़ा है। हालांकि, जुलाई 2023 के मुकाबले प्याज की कीमतों में 65 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 55 प्रतिशत की वृद्धि होने से शाकाहारी थाली की लागत में कुल कमी सिर्फ चार प्रतिशत तक सीमित रह गई। मांसाहारी थाली के मामले में लागत एक साल पहले की तुलना में नौ प्रतिशत घटकर 61.4 रुपये प्रति थाली रह गई। मुख्य रूप से ब्रॉयलर (मुर्गे) की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आने से ऐसा हुआ।

Dell ने AI शिफ्ट में 12 हजार से अधिक कर्मचारियों को निकाला

टेक कंपनी डेल ने बड़ी घोषणा की है। दिग्गज टेक कंपनी अपने कर्मचारियों को नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा रही है। डेल कंपनी ने अपने बिक्री प्रभाग के बड़े पुनर्गठन की घोषणा की है, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कंप्यूटर दिग्गज में परिचालन को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से छंटनी भी शामिल है। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के अनुसार, डेल ने अपने कर्मचारियों को एक आंतरिक ज्ञापन साझा करते हुए इन परिवर्तनों की जानकारी दी है, जिसमें बिक्री टीमों को केंद्रीकृत करने और एक नई एआई–केंद्रित बिक्री इकाई बनाने की योजना बनाई गई है। कंपनी ने आधिकारिक तौर पर प्रभावित कर्मचारियों की सटीक संख्या साझा नहीं की है, लेकिन रिपोर्टों में दावा किया गया है कि लगभग 12,500 लोगों की छंटनी हो सकती है – जो डेल के कार्यबल का लगभग 10: है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ग्लोबल सेल्स मॉडर्नाइजेशन अपडेट शीर्षक वाला यह ज्ञापन डेल के वरिष्ठ अधिकारियों बिल स्कैनेल और जॉन बर्न द्वारा भेजा गया था। अधिकारियों ने लिखा, हम कमज़ोर होते जा रहे हैं। हम प्रबंधन के स्तरों को सुव्यवस्थित कर रहे हैं और जहाँ हम निवेश करते हैं, वहाँ पुनः प्राथमिकता तय कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, डेल के बिक्री प्रभाग के कई कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया है या उनके ऐसे सहकर्मी हैं जो इससे प्रभावित हुए हैं। मामले से अवगत एक व्यक्ति ने बताया कि छंटनी का मुख्य रूप से असर प्रबंधकों और वरिष्ठ प्रबंधकों पर पड़ा है, जिनमें से कुछ को कंपनी में दो दशकों से अधिक का अनुभव है।

विनेश फोगाट से मिलीं पीटी उषा, कहा– उनका अयोग्य होना हैरान करने वाला

आईओए विनेश फोगाट के साथ

पीटी उषा ने आगे कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू लागू किया है और वह इसका यथासंभव सशक्त तरीके से पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं विनेश की मेडिकल टीम द्वारा रात भर किए गए अथक प्रयास से अवगत हूं ताकि वह प्रतियोगिता की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

विनेश फोगाट की अयोग्यता पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा का बड़ा बयान सामने आया है। पीटी उषा ने अपने बयान में कहा कि विनेश का अयोग्य होना बेहद चौंकाने वाला है। मैं कुछ समय पहले ओलंपिक विलेज पॉलीक्लिनिक में विनेश से मिली और उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ, भारत सरकार और पूरे देश के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने आगे बताया कि हम विनेश को सभी चिकित्सा और भावनात्मक सहायता प्रदान कर रहे हैं। पीटी उषा ने आगे कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने यूडब्ल्यूडब्ल्यू लागू किया है और वह इसका यथासंभव सशक्त तरीके से पालन कर रहा है। उन्होंने कहा कि मैं विनेश की मेडिकल टीम द्वारा रात भर किए गए अथक प्रयास से अवगत हूं ताकि वह प्रतियोगिता की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। पीटी उषा और विनेश के पोषण विशेषज्ञ दिनशॉ पारदीवाला ने विस्तृत बयान में कहा कि हमने उनके बाल काटे, उसके कपड़े छोटे किए। हर संभव प्रयास किया।

दिनेश कार्तिक पार्ल रॉयल्स से जुड़े, एसए20 से जुड़ने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नयी दिल्ली। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को मंगलवार को पार्ल रॉयल्स ने एसए20 के तीसरे सत्र के लिए अनुबंधित किया जिससे वह अगले साल नौ जनवरी से शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीकी टी20 क्रिकेट लीग से जुड़ने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए। आईपीएल में लंबे समय तक खेलने वाले 39 वर्षीय कार्तिक ने इस साल जून में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और उन्हें आईपीएल टीम रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू ने मेंटर (मार्गदर्शक) सह बल्लेबाजी कोच के रूप में नियुक्त किया है। भारत के लिए तीनों प्रारूपों में 180 मैच खेलने वाले कार्तिक ने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका में खेलने और वहां जाने की मेरी बहुत सारी यादें हैं और जब यह अवसर आया तो मैं मना नहीं कर सका क्योंकि प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापस आना और रॉयल्स के साथ इस अविश्वसनीय प्रतियोगिता को जीतना कितना खास होगा।'' कार्तिक ने पिछला प्रतिस्पर्धी टी20 मैच आईपीएल 2024 में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेला था। उन्होंने 2024 सत्र में 14 मैच में 187.36 के स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाए थे। कार्तिक ने भारत के लिए आखिरी मैच 2022 में ऑस्ट्रेलिया में हुए टी20 विश्व कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।

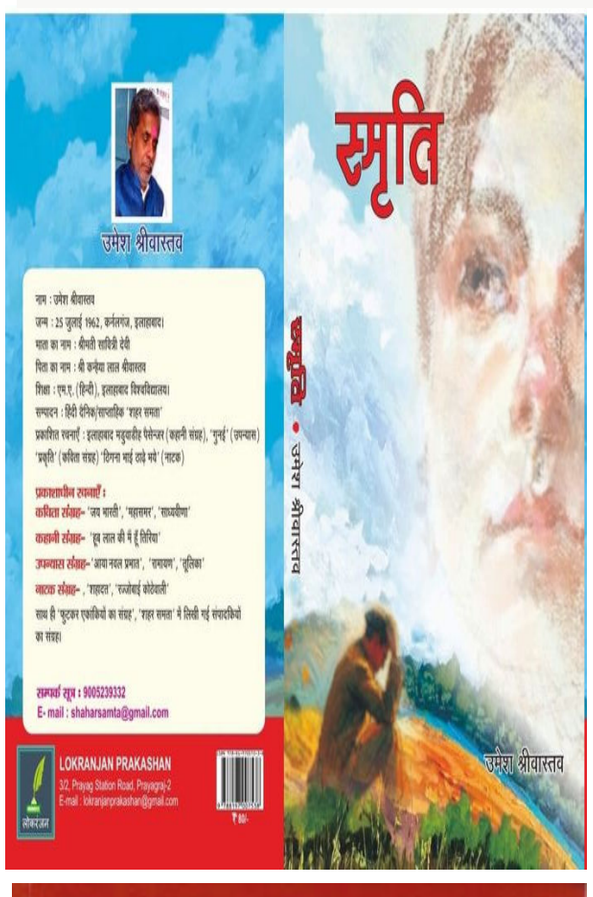

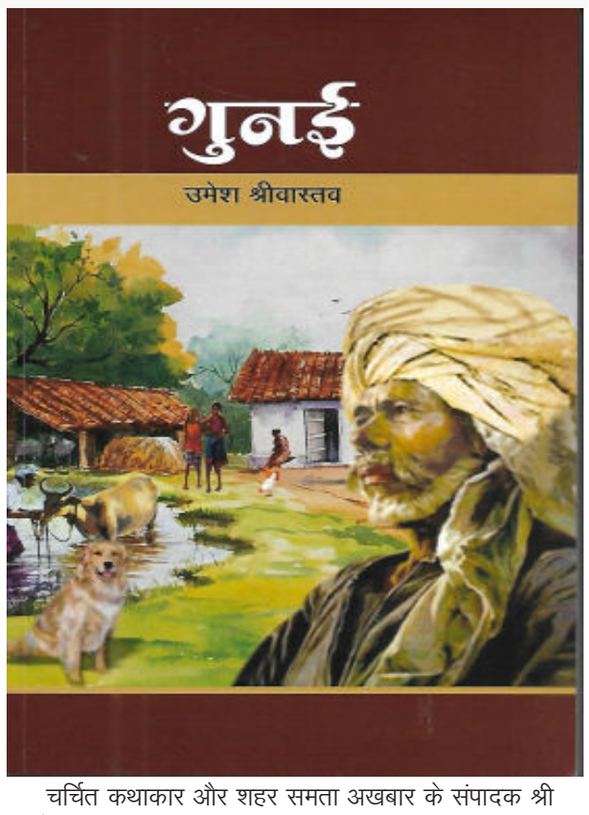

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

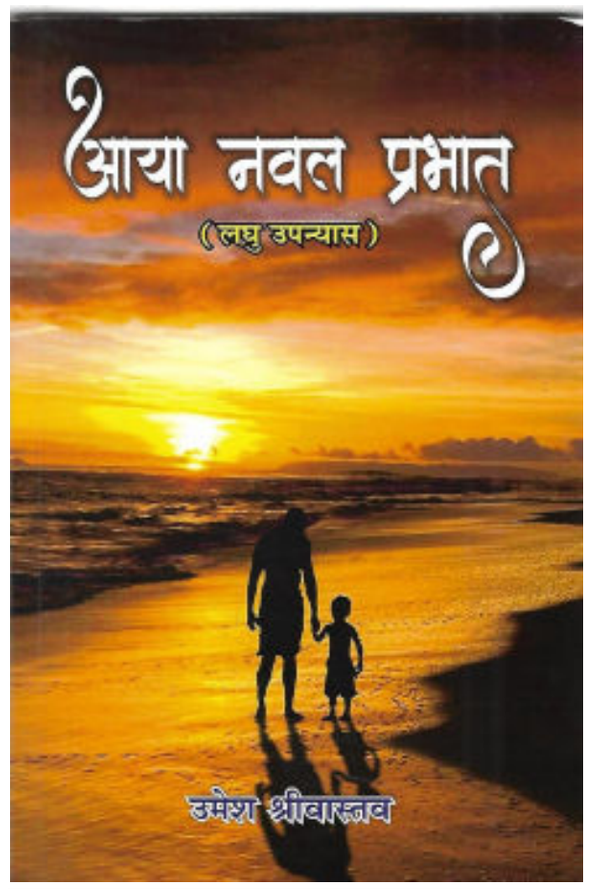

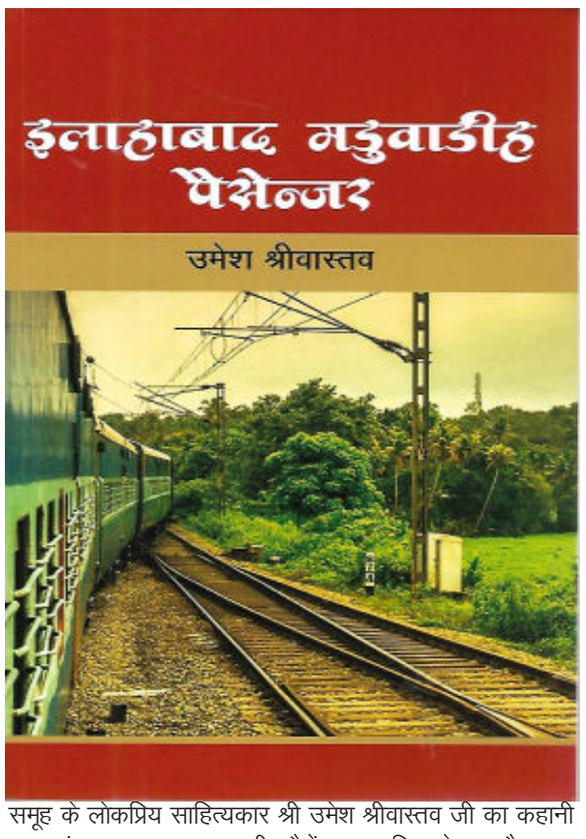

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

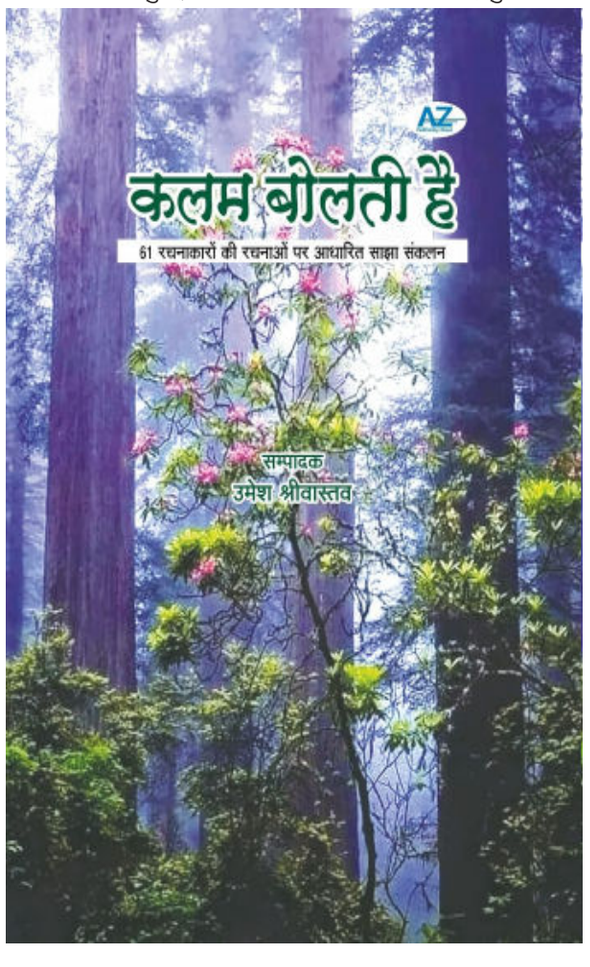

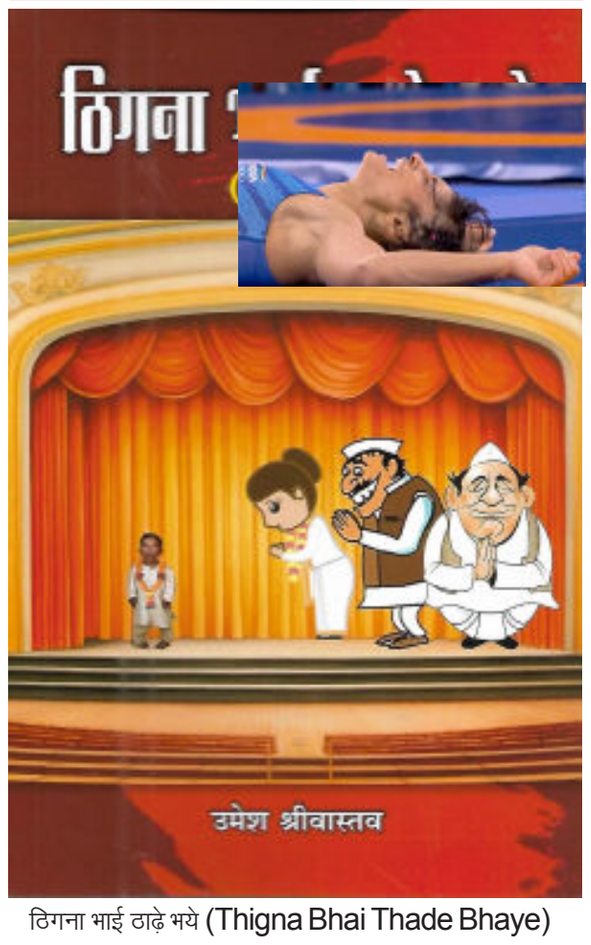

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

शेख हसीना ने इसलिए अचानक से भारत आने की अनुमति मांगी थी

भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को बांग्लादेश मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में दिये गये बयान में कहा था कि शेख हसीना ने बहुत कम समय में कुछ वक्त के लिए भारत आने की अनुमति मांगी थी। दरअसल हसीना ने ऐसा इसलिए किया था क्योंकि रविवार शाम तक उन्हें भी नहीं पता था कि उनके लिए देश छोड़ने की नौबत आ जायेगी। विदेशी मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि विरोध प्रदर्शनों को बढ़ते देख शेख हसीना ने रविवार रात सेना प्रमुख और अन्य जनरलों के साथ एक बैठक की थी। बताया जाता है कि इस बैठक में कई सेना अधिकारी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से भी जुड़े थे। इस बैठक में सेना की ओर से साफ कर दिया गया था कि वह कर्फ्यू लागू करने के लिए नागरिकों पर गोलियां नहीं चलाएगी। सेनाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री को यह भी बताया था कि उनके सैनिक देशव्यापी कर्फ्यू को लागू करने में असमर्थ हैं। कई सेना अधिकारियों ने तो शेख हसीना को स्पष्ट कह भी दिया कि वह सेना का समर्थन खो चुकी हैं। यह सुन कर शेख हसीना को अहसास हो गया था कि उनकी जमीन खिसक चुकी है और अब यहां से चले जाने में ही भलाई है। रिपोर्टों के मुताबिक इस बैठक में सेना अधिकारियों की ओर से शेख हसीना को स्पष्ट कर दिया गया था कि अब उनके सामने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। शेख हसीना ने सोच विचार के लिए कुछ समय मांगा था इसलिए उन्हें सुबह का वक्त दिया गया था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सुबह तक शेख हसीना इस्तीफा देने और देश छोड़ने का फैसला कर चुकी थीं और उन्होंने पनाह के लिए भारत से संपर्क भी साध लिया था। यह बात जब उन्होंने सेना के अधिकारियों को बताई तो उन्हें सैन्य विमान से भारत तक

छोड़ने पर सहमति बन गयी थी। शेख हसीना भारत तो आ गयी हैं लेकिन उनके लिए मुश्किल यह है कि उनका लंदन या फिनलैंड जाना संभव नहीं हो पा रहा है। इस बीच, बांग्लादेश से मांग बढ़ रही है कि भारत उनको वापस भेजे। हम आपको बता दें कि बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष एएम महबूब उद्दीन खोकन ने भारत से शेख हसीना और उनकी बहन शेख रेहाना को गिरफ्तार करने और उन्हें बांग्लादेश वापस भेजने का आह्वान किया है। खोकन विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के संयुक्त महासचिव भी हैं। बांग्लादेशी समाचार पत्र 'डेली स्टार' ने खोकन के हवाले से कहा, ''हम भारत के लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। कृपया, शेख हसीना और शेख रेहाना को गिरफ्तार करें, जो देश छोड़कर भाग गए हैं और उन्हें वापस बांग्लादेश भेज दें। शेख हसीना ने बांग्लादेश में कई लोगों की हत्या की है।'' हम आपको यह भी बता दें कि शेख हसीना की पार्टी के कई नेता अब तक देश छोड़कर भाग चुके हैं और कई भागने की फिराक में पकड़े जा रहे हैं। बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद और पूर्व राज्य मंत्री जुनैद अहमद पलक को मंगलवार को देश छोड़ने की कोशिश करते समय ढाका हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने हवाई अड्डा विमानन सुरक्षा (एवीएसईसी) के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि महमूद दिल्ली जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए ढाका के हजरत शाहजलाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गए थे। अधिकारी ने बताया कि उन्हें बांग्लादेश छोड़ने की कोशिश करते समय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। इससे पहले की मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि हसीना की अवामी लीग के कई शीर्ष नेता और सांसद तथा कैबिनेट मंत्री उनके जाने से पहले ही देश छोड़कर चले गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के महासचिव तथा पूर्व सड़क परिवहन मंत्री ओबैदुल कादिर ने रविवार रात को ही देश छोड़ दिया था। पूर्व कानून मंत्री अनीसुल हक हसीना के इस्तीफे से पहले ही देश छोड़कर अज्ञात स्थान पर चले गए। हसीना के निजी सलाहकार तथा सांसद सलमान एफ. रहमान भी रविवार रात देश छोड़कर चले गए। रहमान के सहयोगियों ने उनके देश छोड़ने की जानकारी दी लेकिन वे यह पुष्टि नहीं कर सके कि वह किस देश के लिए रवाना हुए। ढाका दक्षिण शहर निगम के महापौर और हसीना के भतीजे शेख फजले नूर तपोश शनिवार सुबह बिमान की उड़ान से ढाका से रवाना हुए। विमानन सूत्रों ने बताया कि वे सिंगापुर जाने वाले विमान में सवार हुए। इसके अलावा, अवामी लीग के कई वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्रियों के अलावा उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मोहम्मद बदरुज्जमां भी देश छोड़कर जा चुके हैं।

संक्षिप्त

नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया गया

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का प्रमुख नियुक्त किया है। राष्ट्रपति के प्रेस सचिव ने मंगलवार रात को यह जानकारी दी। प्रेस सचिव मोहम्मद जैनुल आब्दीन ने बताया कि यह निर्णय राष्ट्रपति शहाबुद्दीन और 'भेदभाव विरोधी छात्र आंदोलन' के 13 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच हुई बैठक में किया गया। इस बैठक में तीनों सशस्त्र बलों के प्रमुख भी मौजूद थे। चार घंटे चली बैठक के बाद प्रेस सचिव ने कहा, ''राष्ट्रपति ने डॉ. यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य

सलाहकार नियुक्त किया।'' उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार के अन्य सदस्यों के नाम विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ विचार–विमर्श के बाद तय किए जाएंगे। सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' के अनुसार, राष्ट्रपति 1971 के मुक्ति संग्राम के कम से कम एक सेनानी को कैबिनेट के सलाहकार के रूप में शामिल करने के पक्ष में हैं। बैठक के दौरान सेना प्रमुख जनरल वकर–उज–जमान, नौसेना प्रमुख एडमिरल एम. नजमुल हसन, एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान, ढाका विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्रोफेसर आसिफ नजरूल और अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के प्रोफेसर तंजीम उद्दीन खान मौजूद थे। यूनूस नोबेल पुरस्कार विजेता हैं, जिन्हें ''सबसे गरीब लोगों का बैंकर'' भी कहा जाता है। यूनुस (83) हसीना के कटु आलोचक और विरोधी माने जाते हैं। उन्होंने हसीना के इस्तीफे को देश का ''दूसरा मुक्ति दिवस'' बताया है।

बांग्लादेश का उदाहरण देकर अपनी पार्टी के खिलाफ कार्रवाई बंद करने का इमरान ने आह्वान किया

बांग्लादेश में हो रही घटनाओं के पीछे ''उत्पीड़न'' को मुख्य कारण बताते हुए जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के खिलाफ जारी कार्रवाई को

समाप्त करने का आह्वान किया। खान (71) ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में वकीलों के एक समूह से बात करते हुए यह टिप्पणी की। जेल में उनसे मिलने वाले वकीलों में से एक इंतजार पंजुथा ने खान के हवाले से कहा कि ''आठ फरवरी के चुनाव से पहले देखे गए उत्पीड़न के गंभीर परिणाम हुए और नौ मई को गढ़े गए विमर्श का जवाब चुनावों में जनता ने दिया। धांधली वाले चुनावों को लेकर लोगों में भारी गुस्सा है।'' इस बीच, पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के प्रवक्ता रऊफ हसन को जमानत मिलने के बाद उन्हें मंगलवार को जेल से रिहा कर दिया गया। आतंकवाद निरोधी अदालत ने उन्हें विस्फोटक रखने के मामले में जमानत दे दी है। हसन को 22 जुलाई को संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) द्वारा इलेक्ट्रॉनिक अपराध रोकथाम अधिनियम 2016 (पीईसीए) के तहत दर्ज एक मामले में इस्लामाबाद में गिरफ्तार किया गया था।

युद्ध क्षेत्र जैसा माहौल, ठंदहसंकमी से लौटे भारतीयों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

ढाका से दिल्ली जा रही एयर इंडिया की उड़ान में यात्रियों ने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए, क्योंकि शेख हसीना ने अराजकता के बीच देश छोड़ दिया था। यात्रियों ने बताया कि बांग्लादेश में स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में है और वहां मौजूद भारतीयों के लिए स्थिति ठीक है। साथ ही, यात्रियों में से एक ने दावा किया कि उसने हिंसक विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी हिंदू को निशाना बनाए जाने के बारे में नहीं सुना है।

बांग्लादेश हिंसा में अब हुई पाकिस्तान की डायरेक्ट एंट्री, शेख हसीना के विरोध में हो रहे प्रदर्शन पर जानें क्या कहा ?

पाकिस्तान ने बुधवार को कहा कि वह बांग्लादेश के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधान मंत्री शेख हसीना हिंसक विरोधी प्रदर्शनों के बाद देश छोड़कर भाग गईं हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हमें विश्वास है कि बांग्लादेशी लोगों की भावना और एकता उन्हें सामंजस्यपूर्ण भविष्य की ओर ले जाएगी। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि वह ईमानदारी से शांतिपूर्ण और शीघ्र सामान्य स्थिति में वापसी की उम्मीद कर रहा है। छात्र नेताओं, राजनेताओं, राष्ट्रपति और सेना प्रमुख ने एक साथ बैठक की और संसद को भंग करने का निर्णय लिया। नोबेल पुरस्कार विजेता और अर्थशास्त्री मुहम्मद यूनुस ने छात्र प्रदर्शनकारियों

के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। एएफपी को एक बयान में उन्होंने कहा कि मैं प्रदर्शनकारियों के भरोसे से सम्मानित महसूस कर रहा हूं जो चाहते हैं कि मैं अंतरिम सरकार का नेतृत्व करूं। अगर बांग्लादेश में, मेरे देश के लिए और मेरे लोगों के साहस के लिए कार्रवाई की जरूरत है, तो मैं ऐसा करूंगा। उन्होंने स्वतंत्र चुनाव की भी वकालत की। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, बांग्लादेश सेना ने कई शीर्ष–स्तरीय पदों में बदलाव की घोषणा की है। इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में विवरण साझा किया।

बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन के पीछे पाकिस्तान?

मुक्ति युद्ध के दिग्गजों के रिश्तेदारों के लिए सार्वजनिक सेवाओं में 30: नौकरियां आरक्षित करने वाली विवादास्पद सरकारी कोटा प्रणाली के खिलाफ कई सप्ताह तक विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया क्योंकि अवामी लीग सरकार ने असहमति का क्रूर दमन शुरू कर दिया। कनेक्टिविटी और सार्वजनिक सेवाएं हफ्तों तक प्रभावित रहने के कारण स्कूल और विश्वविद्यालय बंद रहे। पूर्व पीएम शेख हसीना ने पूर्व पीएम खालिदा जिया के नेतृत्व वाली मुख्य विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनल पार्टी (बीएनपी) और जमात–ए–इस्लामी बांग्लादेश की छात्र शाखा इस्लामी छात्र शिबिर पर घातक हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।

बांग्लादेश ने भारत से कर दी ये कैसी मांग, क्या शेख हसीना को किया जाएगा गिरफ्तार ?

जान को खतरे के बीच शेख हसीना बांग्लादेश छोड़ भारत तो आ गईं। शेख हसीना ने अब तक भारत नहीं छोड़ा है। खबरे थी कि शेख हसीना बांग्लादेश से लंदन जाएंगी। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले भारत आना चुना। भारत आने के बाद शेख हसीना अभी तक यहां से नहीं गई हैं। वहीं अब शेख हसीना को भारत से बांग्लादेश भेजने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की तरफ से ये बड़ी मांग की गई है। शेख हसीना को गिरफ्तार कर ढाका भेजने की बात कही गई है। इसके साथ ही हसीना की बहन शेख रिहाना को भी ढाका भेजने की मांग की गई है। बांग्लादेश में पुलिस वाले हड़ताल पर हैं। पूरी अव्यवस्था की स्थिति है। अब छात्र संगठन के लोग लिखित में मांग कर रहे हैं कि उन्हें वापस भेजा जाए। जिसके बाद उन पर लीगल मामले चलाए जाए। सवाल ये उठता है कि भारत ने क्लियर कर दिया है कि शेख हसीना का अगला कदम जो भी होगा वो पूरी तरह से उनपर निर्भर करेगा। लेकिन सूत्र ये बता रहे हैं कि अगले 48 घंटे में वो भारत छोड़कर चली जाएंगी। अब वो यूरोप जाती हैं या किसी और देश इस बात का पता नहीं चल सका है। वैसे अमेरिका ने उनका वीजा कैंसिल कर दिया है। ब्रिटेन ने भी शरण देने से इनकार किया है। बांग्लादेश की स्थिति खुद ही इतनी खराब हो चुकी है कि अगर अतंरिम सरकार बन भी जाती हैं तो जैसी तस्वीरें आ रही हैं हिंदुओं पर वार करने के साथ ही 25 से ज्यादा आवामी लीग के नेताओं की हत्या की जा रही है। मीडिया हाउस को निशाना बनाया गया। हिंसा की खबरें दिखाने वाले पत्रकारों को मारा गया।

ईरान से जुड़े पाकिस्तानी व्यक्ति पर अमेरिकी धरती पर सरकारी अधिकारियों की हत्या की साजिश रचने का आरोप

ईरान से करीबी संबंध रखने वाले 46 वर्षीय पाकिस्तानी नागरिक पर मंगलवार को अमेरिकी धरती पर एक राजनेता या अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया। अधिकारियों ने यहां यह जानकारी दी।

आसिफ रजा मर्चेंट पर ब्रूकलिन की संघीय अदालत में दायर एक शिकायत में आरोप लगाया गया कि उसने अमेरिकी धरती पर किसी राजनेता या अमेरिकी सरकारी अधिकारियों की हत्या की साजिश रची। आसिफ पर पैसे लेकर हत्या करने की साजिश का आरोप है। किसी भी हमले से पहले ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने आरोपी की साजिश को विफल कर दिया।

ओकलाहोमा सिटी में एकल इंजन विमान दुर्घटनाग्रस्त, चार लोगों की मौत

ओकलाहोमा सिटी में मंगलवार दोपहर एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ओकलाहोमा सिटी के अग्निशमन अधिकारी जॉन चेनोवेथ ने बताया कि शहर के बाहरी इलाके में स्थित सनडांस हवाई अड्डे पर दोपहर करीब डेढ़ बजे एकल इंजन वाले एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। चेनोवेथ ने कहा कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है। हालांकि, एफएए, एनटीएसबी और सनडांस हवाई अड्डे के प्रबंधन ने इस विमान हादसे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बांग्लादेशी सेना ने शीर्ष पदों पर बड़ा फेरबदल किया, मेजर जनरल जियाउल अहसन को हटाया गया

ढाका। बांग्लादेश ने सेना में शीर्ष पदों पर बड़ा फेरबदल किया, जिसके तहत राष्ट्रीय दूरसंचार निगरानी केंद्र (एनटीएमसी) के महानिदेशक मेजर जनरल जियाउल अहसन को सेवा से मुक्त कर दिया गया है। मीडिया में आई खबर से यह जानकारी मिली। यह फेरबदल आरक्षण प्रणाली को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के चलते शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के एक दिन बाद किया गया है। 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार ने सेना की मीडिया शाखा 'इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डिपार्टमेंट' (आईएसपीआर) द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए अपनी खबर में कहा कि मेजर जनरल जियाउल अहसन को सेवा से मुक्त कर दिया गया है। इसमें कहा गया कि लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद सैफुल आलम को विदेश मंत्रालय में नियुक्त किया गया है। खबर के अनुसार, लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद मुजीबुर रहमान को सेना प्रशिक्षण कमान का जीओसी नियुक्त किया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।